आरएनआई – एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 10 जुलाई 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 218
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

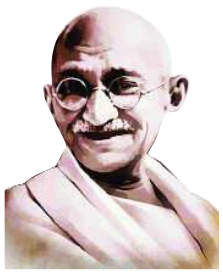

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

इंदौर के 36 इलाकों में वर्षों बाद खुलेगा नक्शा...

पेज-2

लॉक अप 2 में माधुरी जैन ग्रोवर के बयान पर विवाद

पेज-5

बारिश के चंद दिनों में उखड़ गया पेचवर्क

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- ऑस्ट्रेलिया का दौरा पूरा कर ऑकलैंड रवाना : न्यूजीलैंड में द्विपक्षीय वार्ता करेंगे पीएम मोदी
- बिहार के पेंशनधारियों को बड़ी सौगात : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज भेजेंगे राशि
- बेंगलुरु साउथ में संदिग्ध फ़ूड पॉइज़निंग के बाद एक स्कूल के 11 छात्र अस्पताल में भर्ती
- इजरायल के आयरन डोम को 'मेक इन इंडिया' का सहारा... भारत में बनेगा 'आयरन डोम' मिसाइल का इंटरसेप्टर
- उत्तर प्रदेश में मॉनसून का कहर, 7 की मौत : पश्चिमी यूपी के जिलों में रेड अलर्ट जारी
- जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर हादसा : उधमपुर में घायल हुए 5 अमरनाथ यात्री, अस्पताल में भर्ती
- हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में आफत की बारिश : 36 घंटे से लगातार बरसात, स्कूलों में छुट्टी
- बद्रीनाथ धाम दान चोरी मामले में बड़ा एक्शन : सरकार ने गठित की तीन सदस्यीय जांच कमेटी
- कतर ने किया अमेरिकी फैसले का स्वागत : सीरिया को टेरर लिस्ट से हटाने की प्रक्रिया शुरू

वर्चस्व का कद, दल बदलने पर नहीं बदला पद

आशीष गुप्ता : 9425064357

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव राकेश यादव आखिरकार बीजेपी के हो गए। हाल ही में उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोला और प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी पर गंभीर आरोप लगाए। इन पर टिकट, पद बेचने से लेकर कांग्रेस को रसातल में पहुंचाने जैसे आरोप लगाए गए। बीजेपी जॉइन करते ही उन्हें प्रदेश प्रवक्ता जैसा अहम पद दिया गया है।

यह है बीजेपी की रणनीति- दरअसल कांग्रेस से आए नरेंद्र सलूजा के निधन के बाद बीजेपी को ऐसे व्यक्ति की जरूरत थी जो कांग्रेस को जानता हो और तीखा हमला बोल सकता हो, जिस तरह से हाल ही में पटवारी व अन्य कांग्रेसी नेता बीजेपी और खासकर मुख्यमंत्री को टारगेट कर रहे हैं, ऐसे में बीजेपी को पटवारी और कांग्रेस नेतृत्व को घेरने वाले और उन्हें समझने वाले नेता की जरूरत थी। आने वाले समय में यादव के निशाने पर खुलकर राहुल गांधी, पटवारी और हरीश चौधरी होंगे।

संगठन में अंदरूनी उठापटक का नतीजा रहा यह दलबदल

सूत्रों के अनुसार राकेश यादव की बीजेपी में एंट्री पार्टी संगठन में उच्च स्तर पर चल रही अंदरूनी वर्चस्व की लड़ाई का परिणाम नजर आ रहा है। गौरतलब है कि प्रदेश के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि कौन राकेश यादव? मैं नहीं जानता, इसकी तस्दीक उन्होंने वही पर मौजूद विधायक रमेश मेंदोला से भी सार्वजनिक तौर पर कराई थी। भोपाल बीजेपी कार्यालय के विश्वनीय सूत्रों के अनुसार यही से राकेश यादव को लेकर प्रदेश पदाधिकारी सक्रिय हुए और राकेश यादव से अपने पुराने संबंधों को भुनाते हुए उन्होंने उनको बीजेपी में लाने के लिए पटकथा तैयार की। खुद राकेश यादव ने सार्वजनिक तौर पर जीतू पटवारी पर हमला कर अपना रास्ता साफ कर दिया। प्रदेश अध्यक्ष ने अपनी उपस्थिति में राकेश यादव को ज्वाइन करवाकर पार्टी के अंदर सियासी संदेश देने की कोशिश की उसमें वो सफल रहे। बीजेपी के राजनीतिक सूत्र बताते है कि जिस तरह से कैलाश विजयवर्गीय लगातार प्रदेश के मुखिया की कार्यप्रणाली पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हमला कर रहे हैं, उससे प्रदेश नेतृत्व नाराज बताए जा रहा था। यहीं कारण था कि जिस नेता को खुद कैलाश विजयवर्गीय पहचानने से इनकार कर रहे है, उसे प्रदेश अध्यक्ष ने सीधे प्रदेश प्रवक्ता बनाकर अंदरूनी घमासान को बढ़ा दिया। अतिविश्वनीय सूत्र के अनुसार इस पूरे मामले में प्रदेश के एक महामंत्री के साथ दो विधायकों की भूमिका बताई जा रही है।

भाजपा में लगातार दूसरे दलों के नेताओं की एंट्री और उन्हें संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलने का सिलसिला अब पार्टी के पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा का विषय बनता जा रहा है। सवाल उठ रहे हैं कि वर्षों तक पार्टी का झंडा उठाने वाले कार्यकर्ताओं की तपस्या का मूल्य आखिर क्या रह गया है?

हालिया राजनीतिक घटनाक्रम में कांग्रेस से आए नेताओं को संगठन में सम्मानजनक स्थान मिलने के बाद भाजपा के मूल कार्यकर्ताओं में यह भावना उभर रही है कि पार्टी के लिए वर्षों तक संघर्ष करने वालों की तुलना में बाहर से आने वालों को अधिक प्राथमिकता दी जा रही है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत हमेशा उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता माना जाता रहा है। यही कार्यकर्ता बूथ से लेकर विधानसभा और लोकसभा तक पार्टी की जीत की नींव रखते हैं। लेकिन जब ऐसे कार्यकर्ता वर्षों तक किसी जिम्मेदारी की प्रतीक्षा करते रह जाएं और दूसरी पार्टी से आए नेताओं को सीधे महत्वपूर्ण पद मिल जाएं, तो स्वाभाविक रूप से मनोबल प्रभावित होता है।

पार्टी के भीतर यह भी चर्चा है कि शीर्ष नेतृत्व शायद जमीनी स्तर पर पनप रही इस नाराजगी की गंभीरता से पूरी तरह अवगत नहीं है।

सूत्रों का कहना है कि यह नाराजगी अभी खुलकर सामने नहीं आई है, लेकिन संगठन के भीतर इसकी चर्चा लगातार हो रही है। कई कार्यकर्ताओं का मानना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो समर्पित कार्यकर्ताओं का मनोबल प्रभावित हो सकता है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर भाजपा की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। लेकिन संगठन के भीतर उठ रही इन चर्चाओं ने यह सवाल जरूर खड़ा कर दिया है कि क्या शीर्ष नेतृत्व तक जमीनी कार्यकर्ताओं की भावनाएं सही तरीके से पहुंच पा रही हैं, या फिर संगठन और कार्यकर्ताओं के बीच संवाद की दूरी बढ़ रही है।

नरोत्तम मिश्रा का टिकट संकट में, नए नामों की चर्चा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी में उम्मीदवार के चयन को लेकर मंथन जारी है। पार्टी ने अभी तक अपने प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। इस बीच पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के टिकट को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सूत्रों के मुताबिक पार्टी नेतृत्व दतिया के जातीय और स्थानीय राजनीतिक समीकरणों का गहन आकलन कर रहा है। इसी वजह से उम्मीदवार की घोषणा में देरी हो रही है। चर्चा यह भी है कि केवल एक नाम पर भरोसा करने के बजाय पार्टी अन्य विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार कर रही है।

नरोत्तम मिश्रा के सामने बढ़ी चुनौती- डॉ. नरोत्तम मिश्रा लंबे समय तक मध्य प्रदेश की राजनीति के सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिने जाते रहे हैं। शिवराज सिंह चौहान सरकार में वे गृह मंत्री और सरकार के प्रमुख चेहरों में शामिल थे। हालांकि 2023 के विधानसभा चुनाव में हार के बाद उनकी राजनीतिक स्थिति पहले जैसी मजबूत नहीं मानी जा रही है।

बताया जा रहा है कि उपचुनाव की घोषणा के बाद उन्होंने दतिया से लेकर दिल्ली तक संगठन और शीर्ष नेतृत्व के बीच सक्रिय संपर्क बनाए हैं। इसके बावजूद टिकट को लेकर अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है।

टिकट की दौड़ में दो और दावेदार

बीजेपी के अंदर दो अन्य नेताओं के नाम भी प्रमुखता से सामने आ रहे हैं। रामनरेश यादव, जो वर्तमान में जिला पंचायत सदस्य हैं। रघुवीर कुशवाह, जो भाजपा के जिला अध्यक्ष हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि दतिया में जातीय समीकरण इस चुनाव में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसी कारण पार्टी सभी संभावित उम्मीदवारों के सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव का आकलन कर रही है।

दतिया उपचुनाव : हाईकोर्ट का आज आ सकता है फैसला

दतिया उपचुनाव से जुड़ी स्थगन याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई पूरी कर ली। बुधवार को पूर्व विधायक राजेंद्र भारती की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पी चिंदबरम ने करीब एक घंटे तक अपना पक्ष रखा था। वहीं गुरुवार को सरकारी वकील ने पक्ष रखा। न्यायमूर्ति मनोज जैन ने दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया। भारती की ओर से पूर्व मंत्री कपिल सिब्बल के जूनियर अधिवक्ता अभिक चिन्नी ने मामले की संवेदनशीलता और समय की कमी का हवाला देते हुए यथाशीघ्र निर्णय देने का अनुरोध किया। इस पर न्यायमूर्ति ने कहा कि न्यायालय प्रयास करेगा कि आदेश शुक्रवार को ही जारी कर दिया जाए।

प्रदेश में भी उठा दान विवाद : महाकाल में हिसाब नहीं, ओंकारेश्वर में कमाई पर पर्दा!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

ओंकारेश्वर ● राम मंदिर चंदा विवाद के बाद मध्य प्रदेश के महाकाल, ओंकारेश्वर, बगलामुखी और देवास मंदिरों की दान व्यवस्था की पड़ताल में बड़ा खुलासा हुआ है। यहां सोना-चांदी दान का हिसाब न मिलने, फर्जी समिति द्वारा चंदा वसूली जैसे कई तथ्य सामने आए हैं। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद मध्य प्रदेश के बड़े मंदिरों की दान व्यवस्था भी सवालों में आ गई है। मंदिर से जुड़े लोग लंबे समय से पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। आरोप है कि गिनती में बड़े नोट कम निकलते हैं। पहले भी दान पेटी से पैसे निकालने के वीडियो वायरल हुए थे। इसके बावजूद व्यवस्था में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। जब सवाल पूछा गया तो सहायक प्रशासक उदय मंडलोई ने जवाब टाल दिया। उन्होंने सहायक कार्यपालन अधिकारी अशोक महाजन से बात करने को कहा। महाजन ने एसडीएम पंकज वर्मा से संपर्क की सलाह दी। वहीं, एसडीएम ने न फोन उठाया, न मैसेज का जवाब दिया।

महाकाल में गिनती की व्यवस्था-उज्जैन के महाकाल मंदिर में दान गिनती के लिए खास इंतजाम है। परिसर में एक पारदर्शी गिनती कक्ष बना है। यहां बैंक कर्मचारियों की मौजूदगी में दान पेटियां खोली जाती हैं। पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जाती है। गिनती कक्ष में जाने के सख्त नियम हैं। जेब वाले कपड़े पहनने पर रोक रहती है। कई बार कपड़ों की जेब सील भी कर दी जाती है। अधिकारियों की ड्यूटी बदल-बदल कर लगाई जाती है।

ओंकारेश्वर का हिसाब अधूरा

ओंकारेश्वर मंदिर ट्रस्ट ने पहली बार दान पेटियों का आंकड़ा सार्वजनिक किया है। नौ जुलाई को बताया गया कि एक हफ्ते में 24 लाख 41 हजार रुपए दान मिला। यहां हर मंगलवार और शुक्रवार को दान पेटियां खोली जाती हैं। वहीं, ऑनलाइन दान, प्रसाद और लड्डू बिक्री का हिसाब अब भी सार्वजनिक नहीं है। शीघ्र दर्शन के लिए हर श्रद्धालु से 300 रुपए लिए जाते हैं। रोज छह हजार लोगों को यह सुविधा मिलती है। इस आय का भी कोई ब्योरा जनता के सामने नहीं आता।

बन रहे बादल पर झमाझम नहीं बरस रहे

विभिन्न अस्पतालों में अटैच डॉक्टर्स को किया गया जिला अस्पताल रिलीव

18 जुलाई से नए हाईटेक भवन में शिफ्ट होगा जिला अस्पताल, 70 करोड़ की लागत से तैयार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● धार रोड स्थित पंडित गोविंद वल्लभपंत शासकीय जिला चिकित्सालय (जिला अस्पताल) करीब आठ वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अब अपने नए अत्याधुनिक भवन में शिफ्ट होने जा रहा है। लगभग 70 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित पांच मंजिला आधुनिक अस्पताल भवन को अंतिम रूप दिया जा चुका है और संभावना है कि 18 जुलाई से यहां पूर्ण रूप से स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। अस्पताल का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किए जाने की संभावना है, हालांकि कार्यक्रम की अंतिम तिथि का आधिकारिक ऐलान अभी शेष है।

नए भवन में फिलहाल सभी विभागों की ओपीडी सेवाएं संचालित की जा रही हैं। इसके अलावा सामान्य प्रसूति (नॉर्मल डिलीवरी) की सुविधा भी शुरू हो चुकी हैं। अब अस्पताल प्रशासन ऑपरेशन थिएटर (ओटी) को शुरू करने की तैयारियों में जुटा है। पहले चरण में सीजर (सिजेरियन) ऑपरेशन प्रारंभ किए जाएंगे। इसके बाद क्रमशः जनरल सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स तथा अन्य शल्य चिकित्सा सेवाएं भी शुरू कर दी जाएंगी। साथ ही विभिन्न विभागों में मरीजों की भर्ती कर उपचार की सुविधा भी प्रारंभ होगी। जिला अस्पताल को एक आधुनिक मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के रूप में विकसित किया गया है। यहां मरीजों को पहले की तुलना में कहीं अधिक उन्नत और व्यवस्थित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी।

लाखों लोगों को मिलेगी सुविधा

नए भवन के शुरू होने से पश्चिमी इंदौर, धार रोड, राजेंद्र नगर, राऊ, बेटमा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लाखों लोगों को बेहतर सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। अब मरीजों को छोटी-बड़ी सर्जरी और इलाज के लिए दूसरे सरकारी अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा। विशेषज्ञ चिकित्सकों और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ यह अस्पताल इंदौर के स्वास्थ्य ढांचे को नई मजबूती देगा। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि नए जिला अस्पताल के शुरू होने से शहर के बड़े सरकारी अस्पतालों पर मरीजों का दबाव भी काफी हद तक कम होगा और आम लोगों को गुणवत्तापूर्ण उपचार अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हो सकेगा।

निगम की तरह आईडीए से भी ठेकेदारों का हुआ मोह भंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● हाल ही में आईडीए द्वारा जारी एक टेंडर को लेकर, जिसमें नियत तारीख तक भी किसी ठेकेदार या एजेंसी ने निर्माण को लेकर रुचि नहीं दिखाई। दरअसल, आईडीए ने पश्चिम क्षेत्र में एक प्रदर्शनी हाल और कन्वेंशन सेंटर को लेकर जो टेंडर जारी किए उसमें एक भी फर्म या ठेकेदार शामिल नहीं हुआ।

जानकारी अनुसार आईडीए पश्चिम क्षेत्र में भी एक विशाल कन्वेंशन सेंटर और प्रदर्शनी हाल बनाना चाह रहा है। बताया जाता है कि इसकी क्षमता करीब 10 हजार सीटों वाली राखी जाना है। इसके लिए एयरपोर्ट रोड पर गांधी नगर चौराहे के पास करीब 17 हेक्टेयर जमीन पर कन्वेंशन सेंटर बनाने की प्लानिंग है। इसके तहत 6 हेक्टेयर पर कन्वेंशन सेंटर और शेष जगह पर रिसोर्ट, होटल, रेस्त्रां और पार्किंग बनाई जाएगी। यह निर्माण पीपीपी मॉडल करने के लिए नियम शर्तों के साथ टेंडर जारी किया था। इसके लिए 19 जून अंतिम तारीख रखी गई, 22 जून को टेंडर ओपन होना था। हालांकि इस दौरान किसी भी फॉर्म में टेंडर फाइल नहीं किया। बताया जा रहा है कि योजना पर 545.77 करोड़ रुपए लोकधन खर्च होना है, जिसमें लीज राशि 365.70 करोड़ है। तीन वर्ष में निर्माण कार्य पूर्ण किया जाना है। इसके लिए 45 वर्ष की लीज में निर्माण अवधि तीन वर्ष भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि टेंडर फार्म की कीमत 1.18 लाख और सुरक्षा निधि 3 करोड़ तय की गई। टेंडर के साथ 2.75 करोड़ रुपए जमा करने की शर्त रखी गई।

न्यूज़ ब्रीफ

बिजली कंपनी करा रही 16 फीडरों की केबलिंग कनेक्टिविटी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी शहर के सबसे पुराने बिजली केंद्र चंबल 132 केवी ग्रिड से शहर के 16 उच्चदाब 33 केवी फीडरों की कनेक्टिविटी केबल के माध्यम से करा रही है, इससे शहर के बड़े क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार आएगा, शिकायतों में व्यापक रूप से कमी आएगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर 33 केवी की उच्च गुणवत्ता की केबल विशेष रूप से भूमिगत पद्धति से स्थापित की जा रही हैं, जो ग्रिड के बाहर शहर के उत्तर संभाग, पूर्व संभाग, पश्चिम संभाग, मध्य संभाग के 16 स्थानों के 33/11 केवी ग्रिडों तक पहुंचने वाले फीडरों को जोड़ेंगी। इससे तेज हवा, किसी एक फीडर में होने वाले तकनीकी व्यवधान के कारण दूसरे क्रासिंग फीड़रों के बिजली अवरोध को रोका जा सकेगा।

नागरिक अभिनंदन समारोह 11 को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वरिष्ठ समाज सेवी मदनलाल परमालिया का नागरिक अभिनंदन समारोह 11 जुलाई शनिवार को प्रातः 10. 30 बजे स्थित विद्या सागर स्कूल डिटोरियरिम में किया जावेगा। राष्ट्रीय सचिव अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सत्यगरायण पटेल ने बताया कि श्री परमालिया जीवन के 60 बेमिसाल साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एवं स्वाधीनता सेनानियों के कार्य समाज के समक्ष लाने में अपना अहम योगदान दिया एवं समाज सेवा के क्षेत्र भी अनेक नए प्रतिमान स्थापित किए।

कोटक महिंद्रा बैंक ने लॉन्च किया हौसला 2.0

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कोटक महिंद्रा बैंक ने अपने ब्रांड अभियान हौसला 2.0 की शुरुआत की है, जो 2025 में शुरू हुए हौसला है तो हो जाएगा अभियान का दूसरा चरण है। यह अभियान इस सोच पर आधारित था कि आज का भारत बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने की इच्छा रखने वाला देश बन चुका है। अलग-अलग शहरों, पेशों और पीढ़ियों के लोग पहले से कहीं बड़े लक्ष्य तय कर रहे हैं और नई संभावनाओं के बारे में सोच रहे हैं।

साइबर सुरक्षा के लिए एनजीओ, महिला आयोग और गूगल एक मंच पर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● डिजिटल तकनीक के तेजी से बढ़ते उपयोग के साथ महिलाओं और बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा आज देश के सामने सबसे बड़ी सामाजिक और तकनीकी चुनौतियों में शामिल हो गई है। इसी चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग, आहान फाउंडेशन और वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल के सहयोग से भोपाल में आयोजित विशेष एनजीओ मीट में डिजिटल सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग पर व्यापक विमर्श हुआ।

कन्या महाविद्यालय किला भवन में प्रवेश मेला का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय किला भवन में प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के निर्देशन तथा प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन में प्रवेश समिति द्वारा नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश मेला का शुभारंभ किया गया। यह प्रवेश मेला गत दिवस से आगामी 15 जुलाई तक आयोजित किया जा रहा है। प्रवेश मेले के उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्राओं एवं अभिभावकों का स्वागत करते हुए विभिन्न स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों, एवं सह शैक्षणिक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

डेटा फॉर्म से मिलेगी बिल्डिंग परमिशन, निगम और टीएनसीपी के बीच बनी सहमति

इंदौर के 36 इलाकों में वर्षों बाद खुलेगा नक्शा मंजूरी का रास्ता, संपत्ति मालिकों को राहत

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अटकी प्रक्रिया को मिली रफ्तार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर के पुराने मोहल्लों, घनी बस्तियों और गांव ठान क्षेत्रों में रहने वाले हजारों लोगों के लिए राहत भरी खबर है। वर्षों से भवन नक्शों की मंजूरी का इंतजार कर रहे संपत्ति मालिकों को अब जल्द राहत मिलने वाली है। नगर निगम और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएनसीपी) विभाग के बीच सहमति बनने के बाद शहर के 36 क्षेत्रों में डेटा फॉर्म के माध्यम से भवन नक्शों की मंजूरी का रास्ता लगभग साफ हो गया है। अब सिर्फ राज्य सरकार की अंतिम मंजूरी का इंतजार है। दरअसल टीएनसीपी से स्थल अनुमोदन नहीं होने के कारण नगर निगम इन क्षेत्रों में भवन अनुज्ञा जारी नहीं कर पा रहा था। इसके चलते न केवल नए मकानों का निर्माण रुका हुआ था, बल्कि पुराने मकानों पर बैंक लोन और अन्य वैधानिक कार्य भी प्रभावित हो रहे थे। यह मुद्दा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इंदौर प्रवास के दौरान जनप्रतिनिधियों ने उठाया था, जिसके बाद उन्होंने जल्द समाधान के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद नगर एवं ग्राम निवेश विभाग, भोपाल से नगर निगम को पत्र जारी हुआ। इसके आधार पर नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव से डेटा फॉर्म के जरिए नक्शे मंजूर करने की अनुमति मांगी।

10 दिन में अनुमति मिलने की उम्मीद-महापौर : अधिकारियों के बीच कई दौर की चर्चा के बाद छह प्रमुख शर्तों पर सहमति बन गई है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि अगले 10 दिनों में सरकार से अनुमति मिलने की उम्मीद है, जिसके बाद इन क्षेत्रों में डेटा फॉर्म के माध्यम से नक्शा मंजूरी शुरू कर दी जाएगी। इस निर्णय से कुम्हारखाड़ी, गाडराखेड़ी, बाणगंगा, भागीरथपुरा (ओल्ड), परदेशीपुरा, रेसकोर्स रोड, न्यू देवास रोड, वायएन रोड, छोटी खजरानी, दुबे का बगीचा, विनोबा नगर, मुराई मोहल्ला, उषागंज, श्रद्धानंद मार्ग, कलाली मोहल्ला, किबे कंपाउंड, साउथ तुकोगंज, एमजी रोड, आरएनटी मार्ग, छोटी ग्वालटोली, मनोरमागंज गली नंबर-6, नवरतनबाग, बड़ी ग्वालटोली, कुमावतपुरा, बारामथा, हाथीपाला, मुराई मोहल्ला (जूनी इंदौर), मालीपुरा, बीके सिंधी कॉलोनी, मॉडल टाउन, जबरन कॉलोनी, गाड़ी अड्डा, पारसी मोहल्ला और चितावद सहित कुल 36 क्षेत्रों के हजारों संपत्ति धारकों को राहत मिलेगी।

इन शर्तों पर मिलेगी मंजूरी

दोनों विभागों की सहमति के अनुसार, नगर निगम केवल स्व-उपयोग (सेल्फ यूज) के लिए डेटा फॉर्म के आधार पर भवन अनुमति जारी करेगा। यदि भवन का उपयोग व्यावसायिक गतिविधि, फ्लैट बिक्री या अन्य व्यावसायिक उद्देश्य के लिए किया जाना है तो पहले टीएनसीपी से स्थल अनुमोदन लेना अनिवार्य होगा। इसी तरह 5 हजार वर्गफीट तक के विकसित भूखंडों पर नगर निगम सीधे भवन अनुमति दे सकेगा, जबकि इससे बड़े भूखंडों, अविकसित भूमि तथा भूखंडों के विलय या विभाजन के मामलों में पहले नगर एवं ग्राम निवेश विभाग की मंजूरी आवश्यक होगी।

वर्षों पुरानी समस्या का होगा समाधान

शहर के मध्य क्षेत्र के कई इलाकों में वर्षों से भवन नक्शे मंजूर नहीं हो रहे थे, जिससे विकास कार्य लगभग ठप पड़ गए थे। नए मकान नहीं बन पा रहे थे और पुराने मकानों पर बैंक ऋण लेने में भी लोगों को परेशानी हो रही थी। अब डेटा फॉर्म के जरिए नक्शा मंजूरी शुरू होने से न केवल रुके हुए निर्माण कार्य आगे बढ़ेंगे, बल्कि हजारों संपत्ति मालिकों को भी बड़ी राहत मिलेगी। नगर निगम और टीएनसीपी के बीच बनी यह सहमति शहर के पुराने और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में विकास की नई राह खोलने वाला महत्वपूर्ण फैसला माना जा रहा है।

---

31 अस्पतालों की वैधता पर हाईकोर्ट में सुनवाई फर्जी दस्तावेज से गुमराह करने का आरोप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● 31 अस्पतालों की वैधता और नियमों के पालन को लेकर दायर जनहित याचिका पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता एवं अधिवक्ता चर्चित शास्त्री ने अस्पतालों की जांच रिपोर्ट और कोर्ट में प्रस्तुत दस्तावेजों को लेकर गंभीर आपत्तियां दर्ज कराई।

याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि सीएमएचओ डॉ. माधव हासानी द्वारा 31 अस्पतालों के बजाय 34 संस्थानों की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि विनायक पैथोलॉजी लैब और लेडी हलीमा हॉस्पिटल को सील किए जाने से संबंधित कथित फर्जी आदेश भी रिकॉर्ड पर पेश किए गए हैं, जिससे अदालत को गुमराह करने का प्रयास किया गया। सुनवाई के दौरान यह भी आरोप लगाया गया कि छह अस्पताल संचालकों ने नगर निगम के कथित फर्जी शपथ पत्रों के आधार पर अपर आयुक्त के हस्ताक्षरयुक्त फर्जी भवन अनुमति प्रमाण पत्र अदालत में प्रस्तुत किए हैं। इस पर हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को अपना रिजॉइंडर (प्रत्युत्तर) प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

अधिवक्ता चर्चित शास्त्री ने कोर्ट को बताया कि जनहित याचिका दायर करने के बाद से उन पर लगातार हमले और दबाव बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसे देखते हुए उन्होंने अदालत से सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य शासन को याचिकाकर्ता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता की सुरक्षा उपलब्ध कराना राज्य की जिम्मेदारी है और इस संबंध में विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। मामले में अगली सुनवाई में याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रत्युत्तर और अन्य दस्तावेजों पर विचार किया जाएगा।

इंडस्ट्री विशेषज्ञों से समृद्ध इंडक्शन प्रोग्राम के साथ नरसी मुंजी इंदौर ने एमबीए बैच 2026-2028 का स्वागत किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एसवीकेएम के नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (NMIMS), इंदौर ने अपने इंडक्शन एंड फाउंडेशन प्रोग्राम के माध्यम से MBA Batch 2026-2028 का स्वागत किया। इसके साथ विद्यार्थियों की दो वर्षीय शैक्षणिक यात्रा की शुरुआत हुई, जिसका केंद्र इनसाइट, इंडस्ट्री इंटीग्रेशन, रिस्पॉन्सिबल लीडरशिप और टेक्नोलॉजी-सक्षम शिक्षण है।

आज जब एआई, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और कार्यस्थलों की बदलती अपेक्षाएँ वैश्विक उद्योगों को नई दिशा दे रही हैं, तब उच्च शिक्षण संस्थान भी विद्यार्थियों को फ्यूचर ऑफ वर्क के लिए तैयार करने हेतु अपने शिक्षण मॉडल को लगातार विकसित कर रहे हैं। इस्क्रूल में यह दृष्टिकोण एक ऐसे शैक्षणिक वातावरण के माध्यम से साकार होता है, जो कठोर अकादमिक अध्ययन को अनुभवात्मक शिक्षण पद्धति, इंडस्ट्री सहयोग, इंटरडिसिप्लिनरी एक्सपोज़र और टेक्नोलॉजी ड्रिवन एजुकेशन के साथ जोड़ते हुए विद्यार्थियों की एम्प्लॉयबिलिटी, लीडरशिप स्किल्स और लाइफलॉन्ग लर्निंग को सशक्त बनाता है।

आज खुलेगी आरटीई की तीसरे चरण की लॉटरी

जिले में 3989 सीटें बच गई थी, 12936 ऑनलाइन आवेदन मिले थे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत हर साल निजी स्कूलों में गरीब बच्चों को निःशुल्क प्रवेश दिलवाया जाता है। 25 प्रतिशत सीटों पर गरीब और कमजोर वर्ग के बच्चों का निःशुल्क प्रवेश करवाने के एवज में शासन इन निजी स्कूलों को स्कूली फीस की क्षतिपूर्ति भी करती है। आरटीई के तहत पहले और दूसरे चरण के बाद अब भी हजारों बची सीटों और तीसरे चरण की ऑनलाइन लॉटरी शुक्रवार 10 जुलाई को खुलेगी। इस बार इंदौर जिले के निजी स्कूलों में 9029 सीटें उपलब्ध हुई और इसके विरुद्ध 12936 आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हुए, जिसमें से अभी तक पहले और दूसरे चरण के बाद 5040 छात्रों का प्रवेश हुआ और 3989 सीटें खाली बच गई, जो कि 44 फीसदी सीटें होती है। शिक्षा अधिकारियों ने अब काउंसिलिंग का तीसरा चरण शुरू किया है, जिसमें पात्र आवेदक 8 जुलाई तक अपनी स्कूल प्राथमिकताओं में बदलाव कर सकते थे। तीसरे चरण में कोई नया आवेदन स्वीकार नहीं किया गया। केवल वही बच्चे इसमें भाग ले सकते थे जिनका पंजीकरण और दस्तावेज़ सत्यापन पहले ही पूरा हो चुका है। इसमें वे आवेदक शामिल हैं जिन्हें पहले दो चरणों में स्कूल आवंटित नहीं हुआ था या जिन्हें स्कूल आवंटित होने के बाद भी उन्होंने प्रवेश प्रक्रिया पूरी नहीं की।

फिर से खाली रह गया इंदौर बीईओ का पद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर विकासखंड शिक्षा अधिकारी पद खाली होने से सैकड़ों शिक्षकों के पेंशन प्रकरण एवं अन्य वित्तीय प्रकरणों के लंबित होने से शिक्षकों में बड़ी बेचैनी।

कर्मचारी संघ ने इंदौर विकासखंड में नियुक्ति के बजाय महू मे विकासखंड अधिकारी नियुक्ति को लेकर जिला कलेक्टर को जताया विरोध।

इंदौर विकासखंड में करीब चार हजार से ज्यादा शिक्षक कार्यरत है। पूर्व विकासखंड शिक्षा अधिकारी डॉक्टर शांता स्वामी को वहां से हटाने के बाद बहुत ही मुश्किल से प्राचार्य मनोज खोपकर ने प्रभार लिया किंतु उनके द्वारा भी सिर्फ वेतन ही निकाला गया अन्य प्रकरणों को करने से उन्होंने साफ़ इनकार कर दिया था उसके बाद श्री खोपकर का स्वैच्छिक सेवानिवृत्त ले ली।

उसके बाद महू विकासखंड शिक्षा अधिकारी दीपशिखा अचले को प्रभार दिया गया किंतु उन्होंने भी सिर्फ दो माह का वेतन निकाला एवं यहां से तबादला करवा लिया।

वरिष्ठ अधिकारियों ने उनको अन्य व्यवस्था होने तक कार्यमुक्त नहीं करने के निर्देश होने के बावजूद जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से उनको बाले वाले कार्यमुक्त कर दिया गया।

जब बैतूल वहां के विकासखंडसे सहायक संचालक के पद शिक्षा अधिकारी श्री समर्थ बिल्लोरे इंदौर सहायक संचालक के पद पर स्थानांतरित होकर आये तो कर्मचारी संघ द्वारा उन्हें इंदौर विकासखंड शिक्षा अधिकारी का प्रभार देने का आग्रह किया किन्तु उनको इंदौर विकासखंड शिक्षा अधिकारी का प्रभार देने की बजाय महू विकासखंड शिक्षा अधिकारी का प्रभार के आदेश दे दिए जिससे समस्त शिक्षा विभाग हतप्रभ है।

कर्मचारी संघ के वरिष्ठ नेता हरीश बोयत, रमेश यादव, प्रवीण यादव, अशोक मालवीय ने जिले के लोकप्रिय कलेक्टर श्री शिवम वर्मा से निवेदन किया है कि इंदौर विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जल्दी ही किसी अधिकारी की नियुक्ति के आदेश जारी करने की कृपा करें। जिससे हजारों शिक्षकों के प्रकरणों का समय पर निराकरण हो सके।

एक वृक्ष माँ के नाम, पोस्ट मास्टर कश्यप ने लगाया शीशम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रेडियो कालोनी में पर्यावरण संरक्षण के निमित वृक्षारोपण किया गया। मार्निंग वॉक ग्रुप के पोस्ट मास्टर महेश कश्यप ने "एक पेड़ माँ के नाम" पर शीशम का पौधा लगाया। इस अवसर पर त्रिवेणी वृक्ष, बट वृक्ष, नीम, पीपल के वृक्ष लगाए गए। इंदरसिंह ठाकुर, भुजबल सिंह भदौरिया, संजयसिंह चैहान, बबन यादव, कोटिया, शर्मा, महेश अग्रवाल, अरोड़ा आदि गणमान्यजनों ने वृक्षों की त्रिवेणी लगाई।

हस्तपुस्तिका बनाने के लिए अधिकारी-कर्मचारियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले में जनगणना का कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इंदौर जिले में जनगणना से संबंधित हस्तपुस्तिका बनायी जाएगी। इसके लिए संबंधित निकाय के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम रीजनल कैपेसिटी बिल्डिंग सेंटर सैटेलाइन भवन में आयोजित होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 जुलाई से प्रारंभ होगा, जिसमें देपालपुर, हातोद, मल्हारगंज और जूनी इंदौर तहसील के कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी तरह 11 जुलाई को सांवेर, खुडेल और बिचौली तहसील, 13 जुलाई को डॉ. अम्बेडकर नगर महू, कनाड़िया और राऊ तहसील तथा 14 जुलाई को नगर निगम इंदौर सहित जिले की सभी नगर परिषद और कंटोमेंट बोर्ड महू के कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। उक्त तिथियों में लगभग 150 कर्मी प्रशिक्षित होंगे।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी उस समय लगी, जब सुबह परिजनों ने उसे कमरे में फंदे पर लटका देखा। सूचना मिलते ही बाणगंगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।

पुलिस के मुताबिक मृतका की पहचान आयुषी ठक्कर के रूप में हुई है। वह अहमदाबाद की एक निजी कंपनी के इंदौर कार्यालय में कार्यरत थी। मौके की तलाशी के दौरान पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। हालांकि जांच के लिए मृतका का लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है। पुलिस डिजिटल डिवाइस की जांच के आधार पर आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों ने किसी भी तरह के प्रेम प्रसंग या अन्य विवाद की जानकारी होने से इनकार किया है। परिवार का कहना है कि आयुषी स्वभाव से शांत थी और घर के सभी सदस्यों का काफी ध्यान रखती थी।

बीड़ी व खदान श्रमिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। योजना के अंतर्गत बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के अध्ययनरत संतानों को स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक एक हजार से 25 हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। श्रम कल्याण संगठन जबलपुर द्वारा पात्र विद्यार्थियों तक योजना की जानकारी पहुंचाने तथा समय-सीमा में आवेदन एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति आवेदन राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) पर एक जून से प्रारंभ हो चुके हैं। पात्र विद्यार्थी 31 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

अहिल्यावन गार्डन में रोपे पौधे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एक पौधा मां के नाम, अहिल्यावन गार्डन में पौधे रोपित किए गए द्य' वार्ड क्रमांक 80 अहिल्यावन गार्डन वि.आ.ई.पी. परसपर नगर स्लाइस 4 रयान स्कूल के पास में क्षेत्र के लोकप्रिय पार्षद प्रशांत बडवे के नेतृत्व में हजारों कॉलोनी वासियो तथा अहिल्या वन समिति के सदस्य द्वारा 150 पौधे जिसमें नीम, पीपल, अश्वगंधा, आम जामुन तथा बिलपत्र के पौधों को लगाया गया द्य इस आयोजन पर पार्षद द्वारा विशेष रूप से यह आह्वान किया गया कि एक पौधा मां के नाम प्रधानमंत्री के आवाहन पर हरियाली और खुशहाली को बढ़ाना है और इस कार्यक्रम को पूरे क्षेत्र के साथ-साथ स्थापित करना है अहिल्या वन गार्डन में जाकर देखें यह पूरे क्षेत्र का अनोखा गार्डन है अगर किसी व्यक्ति को वृक्षारोपण के लिए पौधे की आवश्यकता है तो वह वृक्ष नगर निगम के द्वारा तथा लगाने के लिए गड्ढों की व्यवस्था भी करवाएंगे क्षेत्रीय पार्षद द्वारा इस अवसर पर महापौर तथा विधायक मधु भैया वर्मा द्वारा भी इस संबंध में अथक प्रयास किया जा रहा है।

पिछले 24 घंटे में केवल नाममात्र वर्षा दर्ज

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में गुरुवार को दिनभर बादल छाए रहे, लेकिन अच्छी बारिश नहीं हुई। आसमान में घने बादलों के बावजूद पिछले 24 घंटे में केवल नाममात्र वर्षा दर्ज की गई। बारिश नहीं होने से लोगों को उमसभरे मौसम का सामना करना पड़ा। बारिश की कमी का असर तापमान पर भी दिखाई दिया। बुधवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस था, जो गुरुवार को बढ़कर 30 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। हालांकि यह सामान्य से दो डिग्री कम रहा।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा वर्षा ऋतु में जल जनित बीमारियों से बचाव हेतु अपनाये जाने वाली सावधानियां

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वर्षा ऋतु में यह संभावना बनी रहती है कि जल जनित रोगों से संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है, इसके संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन से आग्रह किया है कि अपने स्वस्थ्य को सुरक्षित रखने के लिए निम्न सावधानियां बरती जा सकती है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए ?दिशानिर्देशानुार दूषित जल से डायरिया टाइफाइड और हेपेटाइटिस सभी आयु समूह विशेषकर बच्चों और शिशुओं में बीमारी का प्रमुख कारण हैं। जल जनित बीमारियों का प्रसार मानसून, बाढ़ के बाद बढ़ जाता है, इन बीमारियों को रोकने के उपायों में सुरक्षित पेयजल बेहतर स्वच्छता और साबुन से नियमित रूप से हाथ धोना चाहिए, जिससे की बीमारी का खतरा कम हो जाता है। इस दौरान मुख्य रूप से दूषित जल के उपयोग के कारण होने वाली बीमारियां ही प्रमुख रूप से देखी जाती है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शुक्रवार 10 जुलाई 2026

न्यूज ब्रीफ

माहेश्वरी समाज के श्री आनंदम भवन के द्वितीय चरण के नवीन निर्माण का शुभारंभ 12 जुलाई को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्री माहेश्वरी जनकल्याण ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री आनंदम के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए के द्वितीय चरण के नवीन निर्माण का शुभारंभ रविवार, 12 जुलाई को किया जाएगा। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति जितेन्द्र माहेश्वरी के कर-कमलों से प्रात: 10:15 बजे भूमि पूजन एवं निर्माण अनुष्ठान संपन्न होगा। इसके पश्चात प्रात: 11:00 बजे सम्मान समारोह तथा स्नेह भोज आयोजित किया जाएगा। ट्रस्ट के ट्रस्ट के अध्यक्ष केदारमाल लखोटिया, सचिव सीए भारत सारडा ने बताया कि द्वितीय चरण में तीन नई मंजिलों पर 51 आधुनिक पूर्ण सुविधायुक्त अतिथि कक्षों का निर्माण किया जाएगा। निर्माण पूर्ण होने के बाद श्री आनंदम की आवासीय एवं आयोजन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए और अधिक आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

साईं मंदिर का 3 दिवसीय स्थापना दिवस महोत्सव 17 जुलाई से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सुखलिया स्थित लवकुश आवास विहार में सांई बाबा मंदिर का 3 दिवसीय स्थापना दिवस महोत्सव 17 जुलाई से आयोजित किया जा रहा है। जिसमे भव्य साईं बाबा का अभिषेक हवन पूजन, खाटू श्याम बाबा की विशाल भजन संध्या, स्वास्थ्य शिविर,सम्मान समारोह और विशाल भंडारा,सेवा कार्य सहित विभिन्न आयोजन होंगे। 3 दिनों तक मनाए जा रहे स्थापना दिवस महोत्सव में हजारों साईं भक्त सम्मिलित होंगे। सांई बाबा मंदिर के स्थापना दिवस महोत्सव के लिए तैयारियों का दौर जारी है। लवकुश आवास विहार सांई बाबा मंदिर समिति अध्यक्ष चन्द्रकांत कुंजीर, करण कुंजीर, ने बताया कि सुखलिया स्थित लवकुश आवास विहार में सांई बाबा के मंदिर का स्थापना दिवस 3 दिनों तक मनाया जाएगा। इसमें स्थापना दिवस महोत्सव की शुरुआत 17 जुलाई को सुबह सांई मंदिर में विद्वान पंडितों के सानिध्य में साईं बाबा का अभिषेक पूजन अर्चन किया जाएगा और हवन में आहुतियां दी जायेगी। बच्चों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की जाएगी।

धर्म के अभाव में धन अहंकार व शक्ति अत्याचार का माध्यम बन जाएगी - प.पू. आदित्य मुनि म.सा.

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • यदि जीवन में धर्म नहीं है तो धन अहंकार का कारण बन जाता है, शक्ति अत्याचार का माध्यम बन जाती है, बुद्धि छल-कपट में लग जाती है और वैभव विनाश का कारण बन जाता है लेकिन जब धर्म जीवन में उतरता है तब वही धन दान का स्वरूप धारण कर लेगा, वही शक्ति सेवा का माध्यम बन जाएगी और वही बुद्धि विवेक में परिवर्तित हो जाएगी। तब हमारा जीवन लोकमंगल एवं आत्मकल्याण का साधन बन जाएगा। ये प्रेरक उदगार हैं प.पू. आचार्य रामेश के सुशिष्य शासन दीपक प.पू. आदित्य मुनि महाराज के, जो उन्होंने गुरुवार को यशवंत निवास रोड स्थित समता भवन में साधुमार्गी जैन समता संघ के तत्वावधान में आयोजित विशाल धर्मसभा में 'धर्म की महत्ता' के संदर्भ में व्यक्त किए। आचार्य भगवन प.पू. रामलाल म.सा. के शिष्य प.पू. आदित्य मुनि म.सा., अटलमुनि म.सा., निर्वाण मुनि म.सा. अदिठाणा 4 द्वारा सुबह रामामृतम साधना और दोपहर में ज्ञान चर्चा के आयोजन यशवंत निवास रोड स्थित समता भवन पर होंगे।

अयोध्या राम मंदिर में महा-एक्शन

चंपत राय समेत 3 दिग्गजों पर गिरी नई गाज

अयोध्या (एजेंसी) • राम मंदिर में सामने आए चढ़ावा चोरी मामले के बाद अब ताबड़तोड़ एक्शन का दौर शुरू हो गया है। एसआईटी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, नित नए और चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। इस महा-विवाद के सामने आने के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बेहद अहम सदस्य चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा ने नैतिकता के आधार पर अपने पदों से इस्तीफा सौंप दिया था, जिसे ट्रस्ट की बैठक में सर्वसम्मति से स्वीकार भी कर लिया गया है। लेकिन कार्रवाई यहीं नहीं रुकी; अब चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव पर ट्रस्ट ने एक और बड़ी गाज गिराई है और उनके एक बेहद महत्वपूर्ण अधिकार को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया है।

श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट ने एक कड़ा फैसला लेते हुए चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा और गोपाल राव की वीआईपी और सुगम दर्शन पास जारी करने वाली डिजिटल सिस्टम आईडी को पूरी तरह से निष्क्रिय कर दिया है। जांच में यह बात सामने आई थी कि मंदिर परिसर से इन्हीं तीनों विशिष्ट आईडी का उपयोग करके सबसे अधिक संख्या में वीआईपी पास जारी किए जा रहे थे। चढ़ावा चोरी का मुख्य मामला उजागर होने के बाद मंदिर की सुरक्षा और प्रबंधन व्यवस्थाओं में हो रही कई अन्य

गंभीर लापरवाहियां भी एक-एक कर सामने आने लगी थीं, जिसके बाद इस डिजिटल तालाबंदी को अंजाम दिया गया है।

मंदिर में लागू होगी नई सुरक्षित प्रबंधन व्यवस्था

इस बड़ी कार्रवाई के बाद अब अयोध्या राम मंदिर के प्रबंधन को पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त और फूलप्रूफ बनाने के लिए एक नई और बेहद सुरक्षित व्यवस्था लागू की जा रही है। ट्रस्ट के सूत्रों के अनुसार, मंदिर के दैनिक कार्य और वित्तीय पारदर्शिता को संभालने के लिए जल्द ही एक नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति की जाएगी। राम मंदिर के प्रमुख ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास का संगठनात्मक अधिकार बढ़ा दिया गया है। ट्रस्ट ने उनके नाम से एक नई आधिकारिक सिस्टम आईडी जनरेट की है, जिसके जरिए अब आगे से दर्शन पास सुरक्षित तरीके से जारी किए जा सकेंगे।

सुगम और विशिष्ट दर्शन पास, क्यों हुआ एक्शन?

राम मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दो प्रकार के विशेष पास जारी किए जाते हैं- पहला 'सुगम दर्शन पास' और दूसरा 'विशिष्ट दर्शन पास'। इन पासों को डिजिटल रूप से जारी करने के लिए ट्रस्टियों और अधिकृत बड़े पदाधिकारियों के नाम से सिस्टम में अलग-अलग सीक्रेट आईडी बनाई गई थीं। 'विशिष्ट दर्शन पास' धारकों को बिना किसी कतार में लगे सीधे रामलला के बिल्कुल करीब से दर्शन करने की अनुमति होती थी। वैसे तो यह व्यवस्था केवल अति-विशिष्ट मेहमानों के लिए तय की गई थी, परंतु रसूख और पैरवी के आधार पर कई सामान्य लोग भी लगातार इसका अनुचित लाभ उठा रहे थे, जिस पर अब पूरी तरह से लगाम कस दी गई है।

हेड कॉन्स्टेबल ने महिला कॉन्स्टेबल से की छेड़छाड़, पीड़िता बोली- लगातार पीछा किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • बाणगंगा थाना पुलिस ने देवास औद्योगिक थाने में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल के खिलाफ महिला कॉन्स्टेबल से छेड़छाड़, धमकी और बंधक बनाने के आरोप में बुधवार को मामला दर्ज किया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी लंबे समय से उसका पीछा कर रहा था, लगातार फोन कर परेशान करता था और शादी का दबाव बना रहा था। देवास एसपी पुनीत गेहलोद ने बताया कि इंदौर पुलिस से अपराध दर्ज होने की जानकारी प्राप्त हुई थी। आरोपी को तत्काल लाइन अटैच करने की कार्रवाई की गई है। मामले की जांच एसडीओपीओ बागली को सौंपी गई है। इस मामले में राहुल से पक्ष जानने के लिए संपर्क किया गया तो मोबाइल बंद आया। वहीं, परिचित पुलिसकर्मियों से बात की तो उनका कहना था कि वह अवकाश पर चला गया है।

पुलिस के मुताबिक, महिला कॉन्स्टेबल ने बाणगंगा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उसने बताया कि वह करीब एक साल से जानती है। दोनों की पहचान देवास में पदस्थापना के दौरान हुई थी। शुरुआत में बातचीत होती थी, लेकिन बाद में कॉन्स्टेबल लगातार फोन करने लगा। मना करने के बावजूद वह बात करने का दबाव बनाता रहा।

पीड़िता ने बताया कि कॉन्स्टेबल की हरकतों से परेशान होकर उसने देवास से इंदौर तबादला करा लिया। इसके बाद भी आरोपी ने पीछा नहीं छोड़ा। उसने नंबर ब्लॉक कर दिया, लेकिन कॉन्स्टेबल अलग-अलग नंबरों से फोन करता रहा और धमकियां देता रहा। वह कई बार उसका पीछा भी करता था। शिकायत के अनुसार, कॉन्स्टेबल ने कई बार कहा कि यदि महिला उससे बात नहीं करेगी तो वह आत्महत्या कर लेगा। एक बार वह महिलाकॉन्स्टेबल का पीछा करते हुए सरकारी अस्पताल तक पहुंच गया, जहां वह एक मामले में पीड़ित का मेडिकल कराने गई थी। वहां भी उसने उससे बात करने की कोशिश की और विवाद किया। महिला कॉन्स्टेबल का आरोप है कि एक दिन कॉन्स्टेबल ने जबरन उसे अपनी कार में बैठा लिया। बाणगंगा क्षेत्र में उसने कार के अंदर उसका मोबाइल छीन लिया और शादी करने का दबाव बनाने लगा। जब महिला ने बाहर निकलने की कोशिश की तो आरोपी ने कार लॉक कर दी और उसके साथ मारपीट की। महिला ने उन्हें बताया कि कॉन्स्टेबल ने उसे कार में बंधक बना रखा है। सूचना मिलते ही उसका भाई और पिता मौके पर पहुंचे। उन्हें आते देख आरोपी कार लेकर फरार हो गया। घटना के बाद महिला कॉन्स्टेबल ने थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर और वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे मामले की जानकारी दी। शिकायत के आधार पर बाणगंगा पुलिस ने हेड कॉन्स्टेबल के खिलाफ छेड़छाड़, धमकी, मारपीट और अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

शहर की कंपनी ने देश की 100 एआई बेस्ड कम्पनियों से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर की एक एआई कंपनी जेंगोह को देश के रक्षा मंत्रालय ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद मंत्रालय के बहुभाषीय दस्तावेजों के सरलीकरण और सम्बन्धित फाइलों, नक्शों, पुराने अभिलेखों तथा अन्य रिकॉर्ड को आसानी से समझ में आने तथा उन सभी दस्तावेजों को बहुत कम समय में उपलब्ध कराने जैसा दायित्व सौंपने के लिए चयनित किया है। इस काम के लिए मंत्रालय के पास प्रथम चरण में पूरे देश से 100 कम्पनियों ने आवेदन किया था जिनमें से दूसरे चरण में 30 और अंतिम चरण में जिन 3 कम्पनियों का चयन हुआ, उनमें इंदौर की यह जेंगोह कम्पनी भी शामिल है। संभवत: रक्षा मंत्रालय से जुड़े किसी महत्वपूर्ण काम के लिए चयनित होने वाली यह मध्य प्रदेश की पहली कंपनी है। कंपनी के सीईओ श्रेय शर्मा ने बताया कि तीन माह पूर्व शुरू हुई इस प्रक्रिया में उनकी कंपनी ने डिफेन्स एआई ग्रैंड चैलेंज का दूसरा चरण सफलतापूर्वक पार कर लिया है। इसके साथ ही कंपनी अब प्रतियोगिता के फाइनल चरण में पहुँच गई है।

एमपी स्टेट रायफल एसो. द्वारा आयोजित स्पर्धाओं में वीर रायफल शूटिंग सोसायटी के निशानेबाजों ने फिर जीते स्वर्ण एवं रजत पदक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • एमपी स्टेट रायफल एसोसिएशन द्वारा बीएसएफ रेंज इंदौर में गत 3 से 7 जुलाई तक आयोजित 29वीं एमपी स्टेट, 22 इवेंट्स और 3री एमपी प्री स्टेट एयर इवेंट्स में वीर रायफल शूटिंग सोसायटी के निशानेबाजों ने दोनों इवेंट्स में पदक हासिल कर शहर एवं सोसायटी का नाम रोशन किया है। 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल में वीर हंस शर्मा ने स्वर्ण पदक और कृष्णा ठाकुर ने 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल इवेंट्स में दो रजत पदक जीते, वहीं एयर इवेंट्स में कृष्णम यादव ने 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण और गीतांशी आव्हाड ने 10 मीटर एयर रायफल इवेंट्स में रजत पदक हासिल किया। इस इवेंट्स में भाग लेने वाले वीर रायफल शूटिंग सोसायटी के सभी निशानेबाज आगामी स्पर्धाओं के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। सोसायटी के प्रमुख एवं कोच सतीश शर्मा ने सभी निशानेबाजों और विजेताओं की सराहना करते हुए उनके द्वारा स्थापित कीर्तिमानों के लिए उन्हें बधाई देते हुए प्रत्येक स्पर्धा में सफलता की शुभकामनाएँ व्यक्त की हैं।

अग्रवाल सांस्कृतिक मंच की ओर से स्कूली बच्चों को अभ्यास पुस्तिकाओं एवं शिक्षण सामग्री का वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्री अग्रवाल सांस्कृतिक मंच नंदानगर की ओर से नंदानगर स्थित शासकीय हिंदी माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 13 एवं बाणगंगा स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय में पढ़ रहे बच्चों को अभ्यास पुस्तिकाओं एवं शिक्षण सामग्री का वितरण संस्था के समन्वयक एवं अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष गणेश गोयल तथा नंदानगर साईं मंदिर के विजय मित्तल के मार्गदर्शन में किया गया। संस्थापक अजय मित्तल,

अध्यक्ष सोनू अग्रवाल, महामंत्री संजय अग्रवाल, सत्यप्रकाश अग्रवाल काका, अश्विन गोयल, अरुण गोयल आदि ने बच्चों को उपहार भी भेंट किए। मंच की ओर से राकेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, विनय गुप्ता, विष्णु अग्रवाल आदि ने बच्चों को शिक्षा की महत्ता बताई। संचालन सोनू अग्रवाल ने किया और आभार माना कमलेश सिंघल ने।

ब्राह्मण सेवा संगठन द्वारा एमवाय के मरीजों को दवाइयां भेंट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • ब्राह्मण सेवा संगठन के सर्वसमाज सेवा प्रकल्प निरामय सेवा संजीवन द्वारा पीड़ित मानवता की सेवा के अपने संकल्प के अनुरूप 29वीं बार एमवाय हॉस्पिटल में आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद रोगियों की मादा के उद्देश्य से 'सहायता सीनियर सिटीजन ग्रुप' को 90 हजार रुपए बाजार मूल्य की दवाइयां भेंट की गई। संगठन के अध्यक्ष पं. सत्येन्द्र शर्मा एवं मीडिया प्रभारी पं. नीलाभ सुगंधी ने बताया कि संगठन के संरक्षक पं. अनुपम तिवारी, पं. राजेंद्र-ममता शर्मा सहित संगठन के अन्य पदाधिकारियों द्वारा दी गई सहायता से यह सेवा कार्य किया गया। इस अवसर पर पीड़ित मानवता की सेवा में जुटे अशोक चौरड़िया, गुणवंत होलकर, प्रभाष जैन एवं आनंद पांडे का केशरिया दुपट्टे से स्वागत किया गया। चौरड़िया ने संगठन द्वारा संचालित की जा रही निशुल्क सेवा वाहन, चिकित्सा उपकरण केंद्र, डायलिसिस सहायता एवं सामूहिक विवाह आदि सेवा कार्यों की सराहना की।

7 करोड़ का पुल का हिस्सा पहली बारिश में बहा

दैनिक इंदौर संकेत

देवास • देवास जिले में होशियारी और मकोडिया के बीच करीब 7 करोड़ रुपये की लागत से बना एक पुल पहली तेज बारिश में बह गया। लगभग तीन-चार माह पहले ही इसका निर्माण कार्य पूरा हुआ था, जिससे पुल की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यह घटना गुरुवार को सामने आई, जब पुल के क्षतिग्रस्त हिस्से का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि करोड़ों की लागत से बना यह पुल पहली ही बारिश का दबाव नहीं झेल सका। ग्रामीणों में इस बात को लेकर भारी नाराजगी है कि जिस पुल से वर्षों तक आवागमन की उम्मीद थी, वह इतनी जल्दी क्षतिग्रस्त हो गया। इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और संबंधित निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गए हैं।

टीईटी पर डेढ़ लाख शिक्षक बोले-परीक्षा होगी या नहीं

भोपाल (एजेंसी) • सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) देने की अनिवार्यता से जुड़े प्रदेश के करीब डेढ़ लाख शिक्षकों और शिक्षक संगठनों ने सरकार से परीक्षा को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि परीक्षा होना तय है तो पहली परीक्षा जल्द कराई जाए, ताकि शिक्षक समय रहते दूसरी परीक्षा भी दे सकें। सुप्रीम कोर्ट ने 2028 तक परीक्षा पास करने की मोहलत दी है। राज्य सरकार को हर साल दो बार पात्रता परीक्षा कराने के निर्देश भी दिए हैं। ऐसे में शिक्षक चाहते हैं कि सरकार जल्द परीक्षा कार्यक्रम घोषित करे। शासकीय शिक्षक संगठन मप्र के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने कहा कि परीक्षा की तारीख, आवेदन प्रक्रिया, पात्रता, सिलेबस, परीक्षा का स्वरूप, अंक निर्धारण और अध्ययन सामग्री को लेकर शिक्षकों में भ्रम बना हुआ है। उन्होंने कहा कि अब तक शिक्षा विभाग की ओर से कोई विस्तृत दिशा-निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। इससे शिक्षक असमंजस में हैं और परीक्षा की तैयारी भी शुरू नहीं कर पा रहे हैं। शिक्षक संगठन ने मांग की है कि शिक्षा विभाग जल्द परीक्षा की तारीख, सिलेबस, परीक्षा पद्धति, आवेदन प्रक्रिया और अन्य जरूरी जानकारी सार्वजनिक करे। इससे सभी शिक्षकों को एक जैसी और पारदर्शी जानकारी मिल सकेगी। शिक्षकों का कहना है कि स्कूल शिक्षा विभाग ने सार्थक एप के जरिए परीक्षा की तैयारी कराने का दावा किया था, लेकिन कुछ वीडियो अपलोड करने के अलावा कोई ठोस सामग्री उपलब्ध नहीं कराई गई।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

भारत-ऑस्ट्रेलिया साझेदारी का नया अध्याय, रक्षा से परमाणु ऊर्जा तक बढ़ा सहयोग

पिछले कुछ समय के दौरान मुक्त व्यापार के क्षेत्र में भारत ने कई देशों के साथ समझौते किए हैं, जिसके तहत देश की अर्थव्यवस्था के विस्तार के लिए नई संभावनाएं तैयार करने की कोशिश की गई है। वैश्विक स्तर पर तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच अलग-अलग देशों में आपसी सहयोग के लिए जिस स्तर पर नए समीकरण बन रहे हैं, उससे साफ है कि अब पुराने ध्रुवों के विकल्प तैयार हो रहे हैं और विकसित तथा सक्षम देशों को भी अपने बेहतर भविष्य का रास्ता तैयार करना पड़ रहा है। इस संदर्भ में देखें, तो भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गुरुवार को जिस स्तर पर सहयोग और साझेदारी की घोषणा हुई, वह मौजूदा दौर की जरूरतों के मद्देनजर एक महत्त्वपूर्ण पहल है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय के दौरान मुक्त व्यापार के क्षेत्र में भारत ने कई देशों के साथ समझौते किए हैं, जिसके तहत देश की अर्थव्यवस्था के विस्तार के लिए नई संभावनाएं तैयार करने की कोशिश की गई है। इसी क्रम में अब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग को नई मजबूती देने जैसे कई अहम मुद्दों पर सहमति बनी है। साथ ही परमाणु ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा, साइबर तकनीक, अंतरिक्ष और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग का दायरा बढ़ाने का खाका भी पेश किया गया। इसके अलावा आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाने तथा अन्य मोर्चों पर जारी तनावों के हल के लिए संवाद और कूटनीतिक प्रयास जारी रखने पर भी सहमति बनी। जाहिर है, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच साझेदारी के सफर के विस्तार की जो पहल हुई है, उसका आधार अगले कुछ दशकों में वैश्विक स्तर पर आर्थिक और कूटनीतिक स्तर पर बदलते ध्रुव और उसी मुताबिक तैयार होते समीकरण हैं, जिनमें सहयोग के नए आयाम तैयार हो रहे हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत का पहले से ही साझेदारी का लंबा सफर रहा है, लेकिन ताजा समझौतों में परमाणु ऊर्जा और दुर्लभ खनिजों के मामले में सहयोग के जिस मोर्चे पर ठोस समझदारी बनी है, वह आने वाले वक्त में बेहद अहम साबित हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया के पास दुनिया भर के यूरेनियम संसाधनों का एक बड़ा हिस्सा है, मगर कुछ कानूनी और तकनीकी अड़चनों की वजह से भारत को अब तक इसका लाभ नहीं मिल सका। अब ताजा समझौते के बाद भारत को अपनी परमाणु ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए ईंधन का एक अहम स्रोत मिल सकेगा। हालांकि मौजूदा दौर में विश्व जिस स्तर के तनावों से गुजर रहा है, उसमें यूरेनियम के उपयोग को लेकर आशंकाएं स्वाभाविक हैं।

सरहद पार की साज़िश और आंतरिक सुरक्षा की नई चुनौतियाँ

आज की ताजा खबर है कि चंडीगढ़ पुलिस ने सेक्टर-11 के एक दवा स्टोर के कैशियर जानकी दास की हत्या की जांच के दौरान पाकिस्तान समर्थित आईएसआई के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नार्को-टेरर और फेक करेंसी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने पंजाब के सीमावर्ती जिलों (तरनतारन और अमृतसर) में छापेमारी कर इस सिंडिकेट से जुड़े तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

दरअसल अक्सर जो अपराध सतही तौर पर स्थानीय रंजिश या लूटपाट की आम घटना दिखाई देते हैं, उनकी जड़ें देश की सीमाओं के पार तक फैली होती हैं। चंडीगढ़ के सेक्टर-11 में एक दवा स्टोर के कैशियर (जानकी दास) की नृशंस हत्या की जांच के दौरान चंडीगढ़ पुलिस ने जिस अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है, वह इसी कड़वी हकीकत की तस्दीक करता है। इस हत्याकांड के सुरागों का पीछा करते हुए क्राइम ब्रांच जब पंजाब के सीमावर्ती जिलों—तरनतारन और अमृतसर—तक पहुँची, तो एक ऐसा खौफनाक मंज़र सामने आया जिसने देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है।यह केवल एक साधारण आपराधिक गिरोह नहीं था, बल्कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा पोषित एक बड़ा 'नार्को-टेरर' (मादक पदार्थ-आतंकवाद) और जाली नोटों का नेटवर्क था। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में मेथामफेटामाइन (नशीला पदार्थ), ?8 लाख के नकली नोट, और अवैध हथियार बरामद होना यह साबित करता है कि भारत के खिलाफ सीमा पार से जारी 'प्रॉक्सी वॉर' (छद्म युद्ध) ने अब नया और अधिक घातक रूप अख्तियार कर लिया है।

देखने वाली बात यह है कि पिछले कुछ दशकों में आतंकवाद का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। अब यह केवल बंदूकों और बमों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे 'हाइब्रिड वॉरफेयर' के रूप में लड़ा जा रहा है। नार्को-टेररिज्म इस रणनीति का सबसे खतरनाक हथियार है।इसके तहत एक तरफ सीमा पार से ड्रग्स भेजकर भारत की युवा पीढ़ी को शारीरिक और मानसिक रूप से खोखला किया जाता है, तो दूसरी तरफ उसी ड्रग्स की बिक्री से मिलने वाले काले धन का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों, हथियारों की खरीद और स्लीपर सेल्स को फंडिंग देने के लिए किया जाता है।इस विशिष्ट मामले में नशीले पदार्थों के साथ 'फेक इंडियन करेंसी नोट' (स्नद्बष्ह) की बरामदगी यह दर्शाती है कि दुश्मन देश भारत की आर्थिक संप्रभुता पर भी समानांतर प्रहार कर रहा है। बाजार में नकली नोटों को खपाकर भारतीय मुद्रा की साख को कमजोर करने और महंगाई व अस्थिरता पैदा करने की यह एक सोची-समझी साज़िश है। चंडीगढ़ पुलिस की जांच में जो सबसे चिंताजनक पहलू सामने आया है, वह है इस नेटवर्क द्वारा सीमा पार से तस्करी के लिए ड्रोन तकनीक का धड़ल्ले से इस्तेमाल। पंजाब की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि कटीले तारों और चौसीस घंटे की बीएसएफ (क्चस्स्न) की चौकसी के बावजूद, आसमान के रास्ते को पूरी तरह सील करना एक बड़ी चुनौती बन गया है। पाकिस्तान में बैठे आका रात के अंधेरे में आधुनिक, कम आवाज वाले ड्रोनों के जरिए जीपीएस कोऑर्डिनेट्स का उपयोग कर हेरोइन, मेथामफेटामाइन और जाली नोटों के पैकेट भारतीय सीमा के भीतर गिरा देते हैं।स्थानीय स्तर पर 'ड्रॉप' उठाने वाले कूरियर सुरक्षा एजेंसियों के रडार से बचने के लिए अत्यधिक एनक्रिप्टेड डिजिटल मैसेजिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। इस केस में गिरफ्तार आरोपी—गुरमीत सिंह उर्फ बादशाह, आकाश कुमार और सचिन सिलवेस्टर—इसी कॉपरेटिव नेटवर्क के प्यादे थे, जो तकनीक के सहारे देश विरोधी ताकतों के एजेंडे को जमीन पर उतार रहे थे।

इस पूरे खुलासे का सबसे स्याह और डरावना पहलू यह है कि इस अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का मुख्य सूत्रधार या रणनीतिकार कोई बाहर घूम रहा अपराधी नहीं, बल्कि जेल की सलाखों के पीछे बंद गैंगस्टर धर्मिंदर सिंह उर्फ गोली है। यह घटना भारतीय कारागारों की सुरक्षा और प्रबंधन पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।एक खूंखार अपराधी जेल के भीतर बैठकर मोबाइल फोन, इंटरनेट और एनक्रिप्टेड ऐप्स के जरिए पाकिस्तान में आईएसआई के हैंडलर्स और बाहर जमीन पर सक्रिय अपने गुर्गों के बीच पुल का काम कर रहा था।जेलों का 'क्राइम हब' में बदल जाना यह दिखाता है कि तकनीक के इस दौर में हमारे जेल प्रशासन के पास या तो आधुनिक जैमर्स और सर्विलांस उपकरणों की कमी है, या फिर भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हैं कि देश की सुरक्षा दांव पर लगा दी जाती है। जब तक जेलों से गैंगस्टरों के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त नहीं किया जाएगा, तब तक बाहर सड़क पर पुलिस की हर कामयाबी अधूरी रहेगी।

गौरतलब है कि पंजाब ने अस्सी और नब्बे के दशक में उग्रवाद का एक लंबा और काला दौर देखा है। बड़ी कुर्बानियों के बाद वहां शांति बहाल हुई थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से 'उड़ता पंजाब' की जो छवि बनी है, वह इसी नार्को-टेरर का परिणाम है।चंडीगढ़ पुलिस द्वारा इन सीमावर्ती जिलों में की गई छापेमारी बताती है कि इन क्षेत्रों में इस नेटवर्क की जड़ें कितनी गहरी हो चुकी हैं। बेरोजगार युवाओं को पैसों का लालच देकर इस दलदल में धकेला जा रहा है।आज का सबसे बड़ा खतरा यह है कि स्थानीय अपराधियों और वैचारिक रूप से प्रेरित आतंकवादियों के बीच की लकीर मिट चुकी है। अपराधी अब केवल फिरौती या डकैती नहीं कर रहे, बल्कि वे विदेशी ताकतों के हाथों के खिलौने बनकर देश के खिलाफ देशद्रोह के मामलों में सीधे शामिल हो रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम में चंडीगढ़ पुलिस की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। एक स्थानीय हत्या के मामले को केवल एक 'ब्लाइंड मर्डर' मानकर फाइल बंद करने के बजाय, पुलिस ने इसके पीछे छिपे वृहद पैटर्न को समझा। चंडीगढ़ जैसे केंद्र शासित प्रदेश की पुलिस ने पंजाब पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर त्वरित कार्रवाई की। आरोपियों के फोन रिकॉर्ड्स, वित्तीय लेनदेन और कॉल डेटा के विश्लेषण से ही इस सिंडिकेट का पर्दाफाश संभव हो सका। यह आधुनिक पुलिसिंग का एक बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे डेटा और तकनीक का सही इस्तेमाल कर बड़े से बड़े सिंडिकेट को तोड़ा जा सकता है।

इस खुलासे ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने कुछ अनिवार्य और कड़े कदम उठाने की आवश्यकता को रेखांकित किया है:जैसे देश की सभी संवेदनशील जेलों में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' आधारित सर्विलांस, आधुनिक 5त्र जैमर्स और नियमित औचक निरीक्षण अनिवार्य किए जाएं। जेल के भीतर मोबाइल का मिलना एक अक्षम्य राष्ट्रीय सुरक्षा अपराध माना जाना चाहिए।भारत-पाकिस्तान सीमा पर 'एंटी-ड्रोन सिस्टम' और लेजर फेंसिंग को बड़े पैमाने पर तैनात करने की गति तेज करनी होगी, ताकि आसमान से होने वाली इस अवैध सप्लाई चेन को हवा में ही नष्ट किया जा सके।इस नार्को-टेरर नेटवर्क की कमर तब तक नहीं टूटेगी जब तक इनके वित्तीय साम्राज्य को नेस्तनाबूद नहीं किया जाता। ईडी और एनआईए जैसी केंद्रीय एजेंसियों को इस सिंडिकेट की संपत्तियों को कुर्क करना चाहिए और हवाला नेटवर्क को ध्वस्त करना चाहिए।ड्रग्स और आतंकवाद का कोई राज्य नहीं होता। इसके लिए पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ को मिलाकर एक संयुक्त, स्थायी 'नार्को-टेरर इंटेलिजेंस ग्रिड' बनाने की जरूरत है, जहां रीयल-टाइम सूचनाएं साझा की जा सकें।

अब यह चंडीगढ़ पुलिस का यह खुलासा एक गंभीर चेतावनी है। यह हमें याद दिलाता है कि भारत के खिलाफ साजिश रचने वाली ताकतें कभी सोती नहीं हैं; वे लगातार अपनी रणनीतियां बदल रही हैं। सरहद पार बैठे आकाओं के मंसूबों को नाकाम करने के लिए हमारी सुरक्षा एजेंसियों को अपराधियों से दो कदम आगे रहना होगा।दवा स्टोर के कैशियर की जान तो वापस नहीं आ सकती, लेकिन उनकी मौत की जांच से जो सच बाहर आया है, उसने देश को एक बड़े खतरे के प्रति सचेत कर दिया है। अब समय आ गया है कि नार्को-आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को केवल बयानों में नहीं, बल्कि जमीन पर अत्यंत आक्रामकता के साथ लागू किया जाए। देश की संप्रभुता, युवाओं के भविष्य और हमारी आर्थिक स्थिरता की रक्षा के लिए इस पूरे नेटवर्क की जड़ों में तेजाब डालना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

मोहनखेड़ा में कांग्रेस का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

धार• जिले के मोहनखेड़ा में गुरुवार से कांग्रेस का दो दिवसीय बुनियादी एवं राजनीतिक प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ। इसमें मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार शामिल हुए। शिविर में पहुंचने से पहले उमंग सिंघार ने मोहनखेड़ा महातीर्थ में भगवान श्री आदिनाथ दादा के दर्शन-पूजन किए। उन्होंने आचार्य सम्राट राजेंद्रसूरी गुरुदेव के चरणों में वंदन किया। साथ ही प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की। उन्होंने मुनि भगवंत दिव्यचंद्र विजय महाराज और मुनि जितचंद्र विजय महाराज का आशीर्वाद भी लिया। इस दौरान बदनावर विधायक भंवर सिंह शेखावत, सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल और जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी भी मौजूद रहे। इसके बाद उमंग सिंघार प्रशिक्षण शिविर पहुंचे। यहां ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर और भगवान टंट्या मामा के चित्रों पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद प्रशिक्षण सत्र शुरू हुआ। उमंग सिंघार ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने में ऐसे प्रशिक्षण शिविरों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय रखने, जनता के बीच लगातार संपर्क बनाए रखने और कांग्रेस की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रदेश संगठन महामंत्री डॉ. संजय कामले, प्रदेश प्रवक्ता आनंद जाट, प्रदेश सह-प्रभारी प्रोमिल मित्रा और महेंद्र जोशी ने भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने संगठन, संविधान, सरकारी नीतियों और आगामी चुनावों की तैयारियों पर जानकारी दी। शिविर में जिले के ब्लॉक, नगर और मंडलम अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कंटेनर ने बुजुर्ग महिला को कुचला बेटी से मिलकर लौट रही थीं

दैनिक इंदौर संकेत

बड़वाह • जय स्तंभ चौराहे के पास गुरुवार शाम एक भीषण सड़क हादसा हुआ। एक कंटेनर ने बाइक सवार बुजुर्ग महिला को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक चला रहा महिला का दामाद इस दुर्घटना में बाल-बाल बच गया। यह घटना शाम करीब 6 बजे हुई। कसरावद थानांतर्गत ग्राम अमलाथा नहारखेड़ी निवासी 55 वर्षीय सुगनबाई अपनी बेटी से मिलने जगतपुरा खेड़ी आई थीं। शाम को उनके दामाद पंकेश पिता गेंदलाल उन्हें वापस गांव भेजने के लिए बाइक से बड़वाह बस स्टैंड छोड़ने जा रहे थे। इसी दौरान, जय स्तंभ चौराहे से लगभग 50 मीटर पहले पीछे से आ रहे कंटेनर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही सुगनबाई बाइक से नीचे गिर गईं। इससे पहले कि दामाद पंकेश कुछ

समझ पाते, कंटेनर के क्लीनर साइड का अगला पहिया बुजुर्ग महिला के सिर को कुचलते हुए निकल गया। हादसा इतना भीषण था कि महिला के सिर के परखच्चे उड़ गए और उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। अपनी सास के क्षत-विक्षत शव को देखकर दामाद पंकेश बदहवास हो गया और सड़क पर ही बैठकर रोने लगा। सूचना मिलने पर मृतका के परिजन भी मौके पर पहुंचे, जिनका रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस टीम को सूचना मिलते ही वे घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर बड़वाह सिविल अस्पताल भिजवाया। शव का पोस्टमार्टम शुक्रवार को किया जाएगा। पुलिस ने कंटेनर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। इस हादसे को लेकर स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश है। बड़वाह शहर के बीच से गुजरने वाले भारी वाहनों के कारण लगातार ऐसे जानलेवा हादसे हो रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि जब तक बड़वाह बायपास पूरी तरह से शुरू नहीं हो जाता, तब तक शहर के भीतर भारी वाहनों के प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

बेटे के लात मारने से हुई थी पिता की मौत

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • खरगोन जिले के भोगावां सिपानी में पिता की हत्या के आरोप में पुलिस ने बेटे को गुरुवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, विवाद के दौरान आरोपी ने अपने पिता के सीने में कई बार लात मारी। इसके बाद उन्हें पैरों से पकड़कर घसीटा, जिससे उनकी मौत हो गई। बताया गया है कि पिता गाली-गलौच करते थे और बेटे को घर नहीं आने देने की धमकी देते थे। यह घटना 4 जुलाई की है। इसका खुलासा गुरुवार शाम को किया गया। बेड़िया थाना प्रभारी रामेश्वर ठाकुर ने बताया कि 5 जुलाई को सूचना मिली थी कि भोगावां सिपानी में पुल के पास गांव के नारायण का शव पड़ा है। पुलिस ने धारा 194 बीएनएसएस के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में नारायण की मौत का कारण सीने में गंभीर चोट बताया गया। इसके बाद पुलिस ने धारा 103(1) बीएनएस के तहत हत्या का मामला दर्ज किया।

आज 4 घंटे बिजली सप्लाई रहेगी बंद, दादाजी धाम फीडर पर मेंटेनेंस

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • खंडवा शहर के कई इलाकों में आज शुक्रवार को चार घंटे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। बिजली कंपनी द्वारा 11 केवी दादाजी धाम फीडर पर आवश्यक मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। बिजली कंपनी के अनुसार, मेंटेनेंस कार्य के दौरान रमेश पेट्रोल पंप (पंधाना रोड), ग्रिड के सामने का क्षेत्र, शाह आइस फैक्ट्री, सोना पाइप, जालाराम टिम्बर, विकम टाइल्स, किरण पटेल क्षेत्र, प्रीतम ऑयल, संजय नगर, ठक्कर बप्पा स्कूल के सामने का क्षेत्र, जीओ कंट्रोल रूम (इंदौर नाका), सीके स्टील सहित आसपास के इलाकों में बिजली सप्लाई बंद रहेगी।

बिजली कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे बिजली कटौती को ध्यान में रखते हुए अपने आवश्यक कार्य पहले ही पूरा कर लें। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि मेंटेनेंस कार्य की प्रगति के अनुसार शट-डाउन की अवधि में आवश्यकता पड़ने पर परिवर्तन किया जा सकता है। यानी बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले भी शुरू हो सकती है या कार्य लंबा चलने पर कुछ समय के लिए और प्रभावित रह सकती है। सहायक यंत्री (मेंटेनेंस) महेश कुमार सोलंकी ने बताया कि यह शटडाउन नियमित रखरखाव कार्य के तहत लिया जा रहा है, ताकि भविष्य में निर्बाध और सुरक्षित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

स्कूल के टॉयलेट में निकला सांप परिसर में 3 सांप दिखे

दैनिक इंदौर संकेत

धार• बाग के कन्या शिक्षा परिसर में गुरुवार दोपहर हड़कंप मच गया। परिसर की पहली मंजिल पर स्थित टॉयलेट में 7-8 फीट लंबा सांप दिखाई दिया। एक छात्रा ने सांप देखकर शिक्षकों को सूचना दी। स्टाफ द्वारा जांच करने पर पता चला कि ग्राउंड फ्लोर पर एक और कोबरा सांप भी दिखा, जबकि एक अन्य सांप झाड़ियों में चला गया। परिसर में कक्षाएं चल रही थीं, और इस घटना से छात्राओं में भय फैल गया। शिक्षा परिसर के स्टाफ ने तुरंत ग्राम पंचायत के सरपंच धर्मेंद्र बामनिया को सूचना दी।

सांप पकड़ने में माहिर सरपंच धर्मेंद्र बामनिया तत्काल शिक्षा परिसर पहुंचे। उन्होंने टॉयलेट के वेंटिलेटर की सलाखों में लिपटे करीब सात फीट लंबे सांप को बड़ी हिम्मत से पकड़ लिया। सरपंच बामनिया जब पकड़े हुए सांप के साथ बाहर निकले तो छात्राओं ने राहत की सांस ली। कन्या शिक्षा परिसर के स्टाफ ने बताया कि टॉयलेट के ठीक नीचे एक कोबरा सांप भी देखा गया था, और एक अन्य सांप झाड़ियों में चला गया था। सरपंच बामनिया ने सांप को हाथ में पकड़कर छात्राओं को सांपों की विभिन्न प्रजातियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिकांश सांप जहरीले नहीं होते हैं और व्यक्ति अक्सर सांप काटने की दहशत से ही घबरा जाता है। उन्होंने सलाह दी कि सांप काटने पर

घबराएं नहीं और न ही झाड़-फूंक का सहारा लें, बल्कि तुरंत अस्पताल जाएं जहां एंटी-वेनम इंजेक्शन से उपचार होता है।

सरपंच बामनिया ने यह भी बताया कि सांप को पकड़ने के लिए हौसला और हिम्मत के साथ उसके मुंह पर काबू पाना सबसे जरूरी होता है। वे कई वर्षों से सार्वजनिक स्थानों और लोगों के घरों से निकलने वाले सांपों और अजगरों को पकड़कर लोगों को जहरीले जीवों के भय से मुक्त करने की निस्वार्थ और निशुल्क सेवा कर रहे हैं। उनकी इस सेवा की अक्सर प्रशंसा की जाती है।

बारिश में टपक रही स्कूल की छत, टाट पट्टी पर पैर ऊपर कर बैठ रहे बच्चे

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • भातलपुरा स्थित एकीकृत मिडिल स्कूल भवन की छत बारिश में टपक रही है। छत से प्लास्टर गिरने के कारण कक्षा पहली से आठवीं तक के कुल 116 बच्चे भय के माहौल में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। यह स्थिति पिछले चार सालों से बनी हुई है, जिससे बच्चों को हादसे का डर सता रहा है। इसका वीडियो सामने आया है जिसको लोग सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं।

जीतू सैलानी ने बताया कि बारिश के दौरान स्कूल गेट पर पानी भर जाता है और कक्षाएं गीली हो जाती हैं, जिससे बच्चों को बैठने में परेशानी होती है। प्लास्टर गिरने का खतरा सिर्फ कक्षाओं में ही नहीं, बल्कि प्राचार्य कक्ष और स्टाफ रूम में भी है, जिसके चलते स्टाफ को सुरक्षित स्थानों पर बैठना पड़ता है। समस्या का समाधान न होने पर पालकों ने स्कूल की स्थिति का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। मामला संज्ञान में आने के बाद गुरुवार शाम 4 बजे भीकनगांव एसडीएम लोकेश छपरे के नेतृत्व में तहसीलदार मनोज चौहान, बीईओ दिनेश पटेल और संकुल प्राचार्य देवराम गोयल की टीम ने स्कूल का दौरा किया। टीम ने भवन की स्थिति का जायजा लिया और पंचनामा बनाया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि छत निर्माण में लापरवाही बरती गई है, जिसके कारण ढलान होने से पानी छत पर जमा होकर रिसता है। संकुल प्राचार्य गोयल ने जानकारी दी कि वे वर्ष 2022 से लगातार पंचनामा और रिमाइंडर प्रस्ताव बीआरसी कार्यालय भेज रहे हैं। उन्होंने भी छत के ढलान और प्लास्टर गिरने को खतरे का मुख्य कारण बताया।

लॉर्ड्स ग्राउंड में पहली बार खेला जाएगा महिला टेस्ट

लंदन (एजेंसी) ● लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर आज से महिला क्रिकेट इतिहास का एक नया अध्याय लिखा जाएगा। इंग्लैंड और भारत की महिला टीमें चार दिवसीय टेस्ट मुकाबले में आमने-सामने होंगी। यह पहली बार होगा, लॉर्ड्स पर किसी महिला टेस्ट मैच का आयोजन किया जा रहा है। मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर बाद 3:30 बजे से शुरू होगा और चार दिनों तक खेला जाएगा। लॉर्ड्स को लंबे समय से पुरुष क्रिकेट का सबसे प्रतिष्ठित मैदान माना जाता रहा है, लेकिन अब पहली बार यहां महिला टेस्ट क्रिकेट भी खेला जाएगा। इससे पहले इस मैदान पर 150 पुरुष टेस्ट मुकाबले आयोजित किए जा चुके हैं। महिला टेस्ट क्रिकेट की शुरुआत वर्ष 1934 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुई थी, लेकिन इतने लंबे इतिहास के बावजूद लॉर्ड्स को पहली बार महिला टेस्ट की मेजबानी का अवसर मिला है। इंग्लैंड की टीम अब तक 100 से अधिक महिला टेस्ट मैच खेल चुकी है, जबकि भारतीय महिला टीम भी चार दशक से अधिक टेस्ट मुकाबलों का अनुभव अपने साथ लेकर इस ऐतिहासिक मुकाबले में उतरेगी। दोनों टीमों में आठ ऐसी खिलाड़ी हैं, जो पहली बार टेस्ट टीम से जुड़ी हैं। भारत की हरलीन दियोल, चरणी और तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा अनकैप्ड हैं। वहीं, इंग्लैंड की एलिस कैप्सी और टिली कॉर्टन-कोलमैन जैसी युवा खिलाड़ी शामिल हैं। तेज गेंदबाज लॉरेन फाइलर और भारत की स्मृति मंधाना पर होंगी। टॉप ऑर्डर में जगह बनाने के लिए कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।

फिल्म 'मैसा' के लिए शूट किया भारत का पहला फीमेल-लीड अंडरवॉटर फाइट सीक्वेंस

मुंबई (एजेंसी) ● 'मैसा' पहली फीमेल-लीड पैन-इंडिया एक्शन फिल्म है, जिसमें रश्मिका मंदाना अब तक के अपने सबसे दमदार और बेखौफ अवतार में नजर आने वाली हैं। मेकर्स ने फिल्म के सबसे बड़े और महत्वाकांक्षी एक्शन सीक्वेंस में से एक की शूटिंग पूरी कर ली है, जो भारत का पहला फीमेल-लीड अंडरवॉटर फाइट सीक्वेंस है! 'मैसा' 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में से एक बन गई है, जिसमें पैन-इंडिया स्टार रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आएंगी। अपनी अलग-अलग तरह की भूमिकाओं और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए पहचानी जाने वाली रश्मिका इस फिल्म में ऐसे अवतार में दिखने वाली हैं, जैसा उन्हें पहले कभी नहीं देखा गया। उनका यह नया और दमदार लुक, साथ ही फिल्म का दिलचस्प कॉन्सेप्ट, दर्शकों की उत्सुकता को लगातार बढ़ा रहा है। यही वजह है कि मेकर्स की तरफ से आने वाला हर अपडेट चर्चा का विषय बन रहा है।

24 को रिलीज होगी फिल्म 'जन नायकन'

मुंबई (एजेंसी) ● थलपति विजय के एक्टिंग करियर की आखिरी फिल्म 'जन नायकन' आखिरकार सात महीने के इंतजार के बाद रिलीज होने वाली है। विजय की इस फिल्म के इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूटर्स को निर्देश भेजे गए हैं। उनसे 24 जुलाई को 'जन नायकन' की सिनेमाघरों में ग्रैंड रिलीज की तैयारी करने को कहा है। मेकर्स को इस वीकेंड तक सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से सेंसर सर्टिफिकेट मिलने की उम्मीद है।

मेसी के नाम फीफा विश्वकप में दर्ज हुआ ये अनचाहा रिकार्ड

मियाली (एजेंसी) ● लियोनल मेसी ने फीफा विश्वकप फुटबॉल में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम के क्वार्टर फाइनल तक के सफर में अहम भूमिका निभाई है। मेसी सबसे अधिक गोल के लिए मिलने वाले गोल्डन बूट की दौड़ में भी बने हुए हैं पर इसके बाद भी पैनाल्टी किक पर गोल दागने के मामले में वह फिसड्डी साबित हुए हैं।मेसी फीफा विश्व कप के इतिहास में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जो ने टूर्नामेंट के एक सत्र में दो पेनल्टी लेने के बाद भी गोल नहीं कर पाये। मिस्र के खिलाफ राउंड ऑफ मुकाबले में भी वह पेनाल्टी को गोल में नहीं बदल पाये। मेसी फुटबॉल के मैदान पर वह सब कुछ करने में सक्षम रहे हैं जो वे चाहते हैं पर जब भी पैनाल्टी लेने की बात आती है वह पिछड़ जाते हैं जबकि यह फुटबॉल के सबसे आसान शॉट्स में से एक है। मेसी जब पेनल्टी किक लेने के लिए गेंद के सामने खड़े होते हैं तो वे गोल से केवल 12 गज की दूरी पर होते है और उनके पास निशाना लगाने के लिए 196 वर्ग फीट की जगह होती है। इसके साथ ही उनके रोकने के लिए केवल एक गोलकीपर होता है। फिर भी किसी न किसी तरह, यही वह एकमात्र परिस्थिति है जहां उनकी सुपरपावर अचानक उनका साथ छोड़ देती हैं। मेसी का विश्व कप में पेनल्टी किक रिकॉर्ड बहुत ही खराब रहा है। मेसी ने विश्व कप में अबतक कुल 8 पेनल्टी किक लिए हैं, जिसमें से उन्होंने सिर्फ 4 बार ही गोल में बदला है।

विश्वनाथ और चंद्रिका के नेतृत्व में एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली (एजेंसी) ● एशियाई चैंपियन विश्वनाथ सुरेश और विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में स्वर्ण विजेता रही चंद्रिका भोरेश पुजारी की अगुवाई में भारतीय मुक्केबाजी दल शुक्रवार से इंडोनेशिया में शुरू होने वाली अंडर-23 और अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पदक जीतने के इरादे से उतरेगा। भारतीय टीम में दोनों आयु वर्गों के लिए प्रतिभाशाली मुक्केबाज शामिल हैं, जिनसे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। इस चैंपियनशिप से भारतीय युवा मुक्केबाजों के लिए अपनी प्रतिभा और कौशल को एशिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ साबित करने का एक बेहतरीन अवसर मिलेगा। भारतीय टीम ने इस प्रतियोगिता के लिए राष्ट्रीय शिविर में प्रशिक्षण हासिल किया है। जिससे उसका लक्ष्य एशियाई चैम्पियनशिप में पदक जीतना रहेगा। टीम में शामिल मुक्केबाज न केवल अपने लिए, बल्कि देश के लिए भी गौरव हासिल करने को उत्सुक हैं। अंडर-23 पुरुष वर्ग में, 50 किग्रा भार वर्ग के एशियाई चैंपियन विश्वनाथ सुरेश टीम का नेतृत्व करेंगे। उनके साथ गंगा (55 किग्रा), सागर जाखड़ (60 किग्रा), वंशज (65 किग्रा), हितेश (70 किग्रा), नीरज (75 किग्रा), आर्यन मलिक (80 किग्रा), रॉकी चौधरी (85 किग्रा), हेमंत सांगवान (90 किग्रा) और इशान कटारिया (90 किग्रा) जैसे प्रतिभाशाली मुक्केबाज शामिल हैं। यह एक अनुभव और युवा जोश का मिश्रण है, जो टीम को मजबूती प्रदान करता है।

लॉक अप 2 में माधुरी जैन ग्रोवर के बयान पर विवाद

मुंबई (एजेंसी) ●रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 एक बार फिर अपने कंटेस्टेंट्स के निजी खुलासों और विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में है। इस बार बिजनेसमैन अशनीर ग्रोवर की पत्नी और शो की कंटेस्टेंट माधुरी जैन ग्रोवर के एक बयान ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है, जिस पर लोग अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। हाल ही में प्रसारित हुए एक एपिसोड में माधुरी जैन ग्रोवर ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा एक अहम खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह और उनके पति अशनीर ग्रोवर तीसरा बच्चा चाहते थे, लेकिन उनके परिवारों ने इस फैसले का समर्थन नहीं किया। परिवार की सहमति न मिलने के कारण उन्हें यह योजना छोड़नी पड़ी। हालांकि, उनके इस निजी खुलासे से कहीं ज्यादा विवाद उनके आगे दिए गए विचारों को लेकर शुरू हुआ, जिसने समाज के कई वर्गों को सोचने पर मजबूर कर दिया। माधुरी ने शो में कहा, तीसरा बच्चा इंसान को ज्यादा जवान रखता है। हम दो हमारे दो का कॉन्सेप्ट हर किसी पर लागू नहीं होता। जितने अमीर लोग ज्यादा बच्चे पैदा करेंगे, उतनी अमीरी बढ़ेगी और जितने गरीब लोग ज्यादा बच्चे पैदा करेंगे, उतनी गरीबी बढ़ेगी। उनके इस बयान के सामने आते ही सोशल मीडिया पर लोगों ने कड़ी नाराजगी और प्रतिक्रियाएं व्यक्त कीं। कई यूजर्स ने उनके इस विचार को समाज को बांटने वाला और गलत सोच का नतीजा बताया। एक सोशल मीडिया यूजर ने इस पर टिप्पणी करते हुए लिखा, यह बयान दिखाता है कि कुछ लोगों को इस बात की समझ ही नहीं है कि अर्थव्यवस्था कैसे काम करती है या जनसंख्या का वितरण कैसे होता है। इससे पता चलता है कि समाज के उच्च वर्ग के पास आवश्यक जानकारी की कमी है, जबकि आम जनता ऐसे लोगों को ही वोट देती है।

उज्जैन संभाग

'मंदिरों में पुजारियों की बिना जेब वाली ड्रेस हो' : महंत रवींद्र पुरी महाराज

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●अयोध्या के राम मंदिर के बाद एमपी के आगर-मालवा के नलखेड़ा स्थित बगलामुखी मंदिर में भी दान चोरी का मामला सामने आया है। ऐसे में उज्जैन पहुंचे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज और महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद ने मंदिरों की व्यवस्था को लेकर बड़े सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि बड़े मंदिरों में पुजारियों और कर्मचारियों के लिए बिना जेब वाली ड्रेस, ड्रेस कोड और मेटल डिटेक्टर जैसी व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। महंत रवींद्र पुरी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म को बदनाम करने की कोशिश की जाती है। इसलिए मंदिरों में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए जिससे किसी तरह के विवाद की गुंजाइश न रहे।

उन्होंने कहा कि हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में यह व्यवस्था लागू की गई है कि किसी भी पुजारी की यूनिफॉर्म में जेब नहीं होगी। मंदिरों में पूजा के दौरान धोती-कुर्ता पहना जाता है, लेकिन अब कुर्ते में जेब नहीं रखी जाती। कई बार श्रद्धालु सीधे पुजारी की जेब में पैसे रख देते हैं। बाद में उसकी तस्वीर या वीडियो सामने आने पर गलत संदेश जाता है। अगर जेब ही नहीं होगी तो श्रद्धालु दान सीधे दानपेटी में डालेंगे और विवाद भी नहीं होगा। रवींद्र पुरी ने कहा कि पुजारियों को उनकी जरूरत के अनुसार वेतन और अन्य सुविधाएं ट्रस्ट की ओर से दी जानी चाहिए। उनका कहना था कि जब ट्रस्ट उनकी जिम्मेदारी उठाएगा तो उन्हें श्रद्धालुओं से सीधे पैसे लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

'ड्रेस कोड और मेटल डिटेक्टर जरूरी'

चारधाम मंदिर ट्रस्ट के संचालक एवं महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद ने कहा कि मंदिरों में हो रही ऐसी घटनाएं सनातन धर्म की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं। उन्होंने कहा कि सभी बड़े मंदिरों में कर्मचारियों और पुजारियों के लिए ड्रेस कोड लागू होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि मंदिर में ड्यूटी पर आने वाले प्रत्येक कर्मचारी की मेटल डिटेक्टर से जांच हो। ड्यूटी पर आने और वापस जाने, दोनों समय उनकी जांच की जाए, ताकि किसी भी तरह की चोरी या गड़बड़ी की संभावना खत्म हो सके।अयोध्या के राम मंदिर के साथ अब मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध बगलामुखी मंदिर का नाम चढ़ावा चोरी में जुड़ गया है। शिकायत के बाद आगर-मालवा कलेक्टर प्रीति यादव ने जांच कमेटी बना दी। 7 दिन में कमेटी रिपोर्ट पेश करेगी कि गड़बड़ी कहां, कितने की और कैसे की गई?

बेटे की मौत के बाद बहू का बेटी बनाकर पुनर्विवाह, ससुर ने किया कन्यादान

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●एक परिवार ने समाज के सामने संवेदनशीलता और मानवता की अनूठी मिसाल पेश की है। बेटे की कैंसर से मौत के बाद ससुराल वालों ने अपनी विधवा बहू को बेटी का दर्जा देते हुए उसका पुनर्विवाह कराया। इतना ही नहीं, ससुर ने पिता की भूमिका निभाते हुए कन्यादान किया और विवाह का पूरा खर्च भी स्वयं उठाया। बहू की विदाई के समय पूरा परिवार भावुक हो गया। उज्जैन के जेथल निवासी दिनेश बैरागी के छोटे बेटे कपिल बैरागी का विवाह वर्ष 2018 में विदिशा निवासी प्रियंका से हुआ था। शादी के करीब तीन वर्ष बाद (वर्ष 2021 में) कपिल को पैर में कैंसर होने का पता चला। करीब दो वर्षों तक इलाज चला, लेकिन 6 जून 2023 को कपिल का निधन हो गया। पति की मृत्यु के बाद प्रियंका अपने ससुराल में ही रह रही थी। इस दौरान ससुर दिनेश बैरागी और सास कैलाश बाई ने बहू के भविष्य को लेकर चिंता जताई और उसका पुनर्विवाह कराने का निर्णय लिया। परिवार ने विदिशा निवासी गोविंद के साथ प्रियंका का रिश्ता तय किया। इसके बाद भोपाल के एक रिसॉर्ट में पूरे रीति-रिवाज और सामाजिक परंपराओं के अनुसार विवाह संपन्न कराया गया। समारोह में दोनों परिवारों के रिश्तेदार, समाज के लोग और परिचित बड़ी संख्या में शामिल हुए।

बदहाल सड़कों पर कांग्रेस का प्रदर्शन, गड्ढों का जन्मदिन मनाकर जताया विरोध

दैनिक इंदौर संकेत

खातेगांव ● कन्नौद नगर की जर्जर सड़कों और बारिश के मौसम में जनता को हो रही भारी परेशानियों को लेकर गुरुवार को कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च निकाला, सड़क के गड्ढे का प्रतीकात्मक केक काटा और अधिकारियों को 'बेशरम' का पौधा सौंपकर अपना गुस्सा जाहिर किया। यह विरोध एडिशनल एसपी कार्यालय और बस स्टैंड क्षेत्र से शुरू हुआ। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता पैदल मार्च करते हुए क्षेत्रीय विधायक के निवास के सामने से होकर नगर परिषद कार्यालय की तरफ बढ़े। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और शहर की इस बदहाली के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। एहतियात के तौर पर विधायक निवास के बाहर भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया था।

नगर परिषद कार्यालय पहुंचने पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी अपनी कुर्सी पर मौजूद नहीं थे, जिसके बाद कांग्रेस नेताओं ने राजस्व निरीक्षक को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर तंज कसते हुए उन्हें 'बेशरम' का पौधा भी भेंट किया गया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने मुख्य सड़क पर बने एक बड़े गड्ढे के पास

जाकर बकायदा मोमबत्ती लगाकर केक काटा और प्रतीकात्मक रूप से 'गड्ढों का जन्मदिन' मनाया, ताकि सोए हुए प्रशासन को जगाया जा सके। नेताओं ने आरोप लगाया कि कन्नौद नगर की मुख्य और अंदरूनी सड़कें लंबे समय से पूरी तरह टूट चुकी हैं। अब बारिश शुरू होते ही इन गड्ढों में पानी भर गया है, जिससे आए दिन लोग हादसों का शिकार होकर चोटिल हो रहे हैं, लेकिन नगर परिषद इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि यदि जल्द ही इन सड़कों की मरम्मत या नए सिरे से निर्माण शुरू नहीं कराया गया, तो कांग्रेस आने वाले दिनों में और बड़ा चक्काजाम और उग्र आंदोलन करेगी। इस प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अकरम खान, नगर कांग्रेस अध्यक्ष तेजस्वी मांजरेकर, यूथ कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अर्जुन मीणा, उदित मीणा, रवि परमार, रिकी अंचेरा, जीतू अडिंग, संजीव कुंडल, आमीन ताज, बाबू पटेल, ओम कचोले और बाबू वर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए।

बारिश में नाला बंद करने का विरोध, लौटाई जेसीबी

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● आवास नगर में गुरुवार को पानी निकासी को लेकर विवाद हो गया। पुराने नाले को बंद करने के प्रयास के आरोप के बाद रहवासी सड़क पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पार्षद बिंदु वर्मा और उनके प्रतिनिधि राज वर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने जेसीबी से चल रही कार्रवाई रुकवा दी। रहवासियों का कहना है कि क्षेत्र के वर्षों पुराने नाले को एक कॉलोनाइजर द्वारा बंद किया जा रहा था। इसके लिए इंजीनियर और ठेकेदार जेसीबी के साथ मौके पर पहुंचे थे। उनका आरोप है कि यदि यह नाला बंद हुआ तो तेज बारिश में आवास नगर के सैकड़ों घरों में पानी भर जाएगा। पार्षद बिंदु वर्मा ने बताया कि महिलाओं से सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचीं और कार्रवाई रुकवाई। उन्होंने आरोप लगाया कि पास में विकसित की जा रही कॉलोनी के लिए नाले की प्राकृतिक निकासी प्रभावित की जा रही है। इससे पूरे क्षेत्र के लोगों को परेशानी होगी। पार्षद प्रतिनिधि राज वर्मा ने कहा कि बारिश शुरू होने से पहले नगर निगम को इस

समस्या से अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। रहवासी गीता बैस और रंजना तिवारी ने बताया कि यह प्राकृतिक नाला है। इसे बंद करने से आवास नगर के घरों में पानी भर जाएगा। उन्होंने नगर निगम से तत्काल हस्तक्षेप कर नाले की निकासी सुरक्षित रखने और स्थायी समाधान करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि पानी निकासी से छेड़छाड़ की गई तो बरसात में सैकड़ों परिवार जलभराव की चपेट में आ जाएंगे।

40 करोड़ के बिजली के बिल पर जागा नगर निगम, होगा भौतिक सत्यापन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम के हजारों बिजली कनेक्शनों का उपयोग आखिर कौन कर रहा है? क्या सभी कनेक्शन वास्तव में निगम के काम आ रहे हैं या फिर कुछ रसूखदार लोग बिजली का निजी उपयोग कर रहे हैं। इन सवालों के जवाब तलाशने के लिए नगर निगम ने अपने करीब 8 हजार बिजली कनेक्शनों का व्यापक सत्यापन शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके लिए निगम के सभी 23 विभागों को अपने-अपने बिजली कनेक्शनों का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं।

सबसे ज्यादा कनेक्शन विद्युत विभाग के पास-जानकारी के अनुसार सबसे अधिक बिजली कनेक्शन नगर निगम के विद्युत विभाग के पास हैं। इसके बाद जल यंत्रालय द्वारा सार्वजनिक बोरिंग, उद्यान विभाग के पार्कों की लाइट और बोरिंग, सामुदायिक भवनों, रैन बसेरों तथा अन्य सार्वजनिक सुविधाओं के बिजली कनेक्शन शामिल हैं, जिनका बिल निगम नियमित रूप से भरता है।

हर महीने 40 करोड़ रुपए का बिजली बिल

निगम हर माह करीब 40 करोड़ रुपये का बिजली बिल चुकाता है। इसमें लगभग 25 करोड़ नर्मदा जलूद पंपिंग स्टेशन की बिजली खपत पर खर्च होते हैं, जबकि शेष 15 करोड़ शहरभर के करीब 8 हजार कनेक्शनों के भुगतान में। अब निगम यह सुनिश्चित करना चाहता है कि सभी कनेक्शनों का उपयोग वास्तव में निगम के कार्यों में ही हो रहा है।

चुंगी क्षतिपूर्ति राशि से भी कट रही रकम लेखा अपर आयुक्त देवघर दरवई ने बताया कि कई बार तय समय पर सभी बिजली बिलों का भुगतान नहीं हो पाता। ऐसे में विद्युत कंपनी बकाया राशि भोपाल से मिलने वाली चुंगी क्षतिपूर्ति मद से समायोजित कर लेती है। इस मद से प्रतिमाह नर्मदा परियोजना का करीब 18 करोड़ रुपये का बिजली बिल चुकाया जाता है, लेकिन पिछले कई वर्षों से इसके अलावा भी अतिरिक्त राशि काटी जा रही है। इसी कारण सभी बिजली कनेक्शनों का सत्यापन कराने का निर्णय लिया गया है।

निजी उपयोग की आशंका

सूत्रों के मुताबिक आशंका जताई जा रही है कि कुछ बिजली कनेक्शनों का उपयोग नेताओं, उनके समर्थकों या अन्य प्रभावशाली लोगों द्वारा किया जा रहा हो सकता है, जबकि बिल नगर निगम भर रहा है। हाल ही में सार्वजनिक बोरिंग पर राजनीतिक कार्यकर्ताओं के कब्जे और कई उद्यानों व सामुदायिक भवनों पर विभिन्न संस्थाओं के कब्जे के मामले भी सामने आए थे। ऐसे में यदि सख्ती से भौतिक सत्यापन किया गया तो ऐसे कई कनेक्शन सामने आ सकते हैं, जिनका लाभ निजी लोग उठा रहे हैं, जबकि खर्च नगर निगम के खजाने से किया जा रहा है।

भोपाल से मंगाई गई कनेक्शनों की सूची

नगर निगम के लेखा विभाग ने मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भोपाल मुख्यालय से इंदौर के सभी बिजली कनेक्शनों की सूची मंगाई थी। सूची प्राप्त होने के बाद अब इसे संबंधित विभागों को भेजा जा रहा है। प्रत्येक विभाग प्रमुख को अपने अधीन आने वाले बिजली कनेक्शनों का सत्यापन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

प्रमुख बिंदु

- पहली बार विभागवार भौतिक सत्यापन होगा।
- 40 करोड़ रुपये बिजली बिल चुकाता है निगम।
- 25 करोड़ रुपये सिर्फ जलूद पंपिंग स्टेशन की बिजली पर खर्च होते हैं।
- 15 करोड़ 8 हजार बिजली कनेक्शनों पर खर्च होते हैं।
- 23 विभागों को बिजली कनेक्शनों की पुष्टि करनी होगी।
- सबसे अधिक कनेक्शन निगम के विद्युत विभाग के पास हैं।
- सार्वजनिक बोरिंग, उद्यान, सामुदायिक भवन और रैन बसेरों के कनेक्शन दायरे में रहेंगे।
- अनाधिकृत उपयोग और फर्जी भुगतान का खुलासा हो सकता है।
- जांच के बाद बड़ी बचत की संभावना जताई जा रही है।

ड्रग्स केस में जीतू पटवारी के भाई नाना से पूछताछ के बाद पुलिस ने छोड़ा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के ड्रग्स नेटवर्क मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी से पुलिस ने दिनभर पूछताछ की। पूछताछ पूरी होने के बाद पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया है।

नाना पटवारी को दिन भर पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया है। पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की है पुलिस ने बताया कि नाना पटवारी और पकड़े गए दोनों आरोपियों के बीच में लिक की जांच हो रही है। कॉल डिटेल देखी जा रही है और भी अन्य साक्ष की विवेचना की जा रही है। अभी नाना पटवारी को छोड़ दिया गया है आगे जरूरत होगी तो फिर पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई कुलभूषण उर्फ नाना पटवारी को ड्रग्स नेटवर्क मामले में पुलिस ने हिरासत में लिया है। राजेंद्र नगर थाना पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। यह कार्रवाई दो कथित ड्रग्स पैडलरों की गिरफ्तारी के बाद हुई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के भाई नाना पटवारी की हिरासत की पुष्टि हो गई है। राजेंद्र नगर पुलिस द्वारा पकड़े गए दो आरोपियों द्वारा नाना का नाम लिया गया था। इसके बाद नाना को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ हो रही है। वहीं जीतू पटवारी के दूसरे भाई भरत पटवारी ने कहा कि इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं है और हमारे वकील पुलिस से बात कर रहे हैं। डीसीपी नरेंद्र रावत ने बयान दिया कि- सूचना के आधार पर दो युवकों को पकड़ा था एक का नाम इरफान खान उर्फ गोलू चंदेरी और दूसरा दानी भाई है। इन पर केस दर्ज हो रहा है। इनके पास से 10.80 ग्राम ब्राउन शुगर मिला है। इसकी टेस्टिंग के बाद एफआईआर की प्रक्रिया की जा रही है। उनसे पूछताछ के बाद पता चला कि वह इसे दो लोगों को देने जा रहे थे इसमें एक नाना पटवारी और दूसरे मानव गंगवानी को देने जा रहे थे।

भ्रष्ट बेलदार असलम खान को जब्त 3 करोड़ की ज्वेलरी नहीं मिलेगी वापस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर नगर निगम के भ्रष्ट बेलदार असलम खान को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। आय से अधिक संपत्ति मामले में जब्त उसकी मां और पत्नी के नाम की करोड़ों की ज्वेलरी फिलहाल वापस नहीं मिलेगी।

आय से अधिक संपत्ति मामले में असलम खान के यहां 2018 में लोकायुक्त ने छापा मारा था। जिला कोर्ट ने 70 लाख की गारंटी पर परिवार को ज्वेलरी लौटाने का आदेश दिया था। लोकायुक्त ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने जिला कोर्ट के आदेश पर रोक लगाकर ज्वेलरी लोकायुक्त की कस्टडी में रखने के निर्देश दिए। असलम खान पर वेतन से 1216 फीसदी अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। इंदौर के चर्चित भ्रष्ट अधिकारी-कर्मचारियों में शामिल बेलदार असलम खान के यहां वर्ष 2018 में लोकायुक्त ने छापा मारा था। छापे के दौरान एक निचले स्तर के कर्मचारी के पास मिली अकूत संपत्ति देखकर अधिकारी भी हैरान रह गए थे। जांच में उसके पास बड़ी मात्रा में सोने की ज्वेलरी और अन्य संपत्तियां मिली थीं। लोकायुक्त कार्रवाई में करीब दो किलो सोने की ज्वेलरी बरामद हुई थी। इसके अलावा उसके यहां करीब एक किलो सोने के बार भी मिले थे। मामले के सामने आने के बाद असलम खान की संपत्ति को लेकर काफी चर्चा हुई थी।

सीएम के गृह विभाग में शुरू हुई पदोन्नति पर हलचल, डीपीसी तैयारी पर बैठक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश के बाद सभी विभागों में पदोन्नति के लिए डीपीसी की बैठकें शुरू हो गई हैं। वहीं, सीएम के अपने गृह विभाग में ही पुलिस अधिकारी अभी पदोन्नति का इंतजार कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश में लंबे समय से पदोन्नति का इंतजार कर रहे अधिकारियों की प्रक्रिया अब शुरू हो गई है। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (पीएससी) में 6 जुलाई से अलग-अलग विभागों की डीपीसी बैठकें हो रही हैं। अब तक करीब दर्जनभर विभागों में पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह मंत्रालय में अभी तक डीपीसी (विभागीय पदोन्नति समिति) की बैठक तय नहीं हुई थी। द सूत्र ने इस मुद्दे पर बुधवार को खबर प्रकाशित की, जिसके बाद पुलिस मुख्यालय में हलचल तेज हो गई और अधिकारियों ने प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए पत्र जारी कर दिए।

बुधवार 8 जुलाई को सहायक पुलिस महानिरीक्षक कार्मिक अमित सक्सेना ने सभी पुलिस इकाइयों (एमपी पुलिस विभाग में प्रमोशन) को पत्र जारी किया। इसमें एसआई से इंस्पेक्टर, सूबेदार से रक्षित निरीक्षक और सहायक उपनिरीक्षक से उपनिरीक्षक पद पर पदोन्नति के लिए जरूरी जानकारी मांगी गई है। यह जानकारी 9 जुलाई तक भेजने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा एक अन्य पत्र जारी कर 1 जनवरी 2026 की स्थिति में अधिकारियों पर कोई विभागीय जांच या अन्य मामला लंबित है या नहीं, इसकी जानकारी भी मांगी गई है। ताकि पदोन्नति प्रक्रिया के दौरान स्थिति स्पष्ट रहे।

आईजी एडमिन पुलिस हरिनारायण चारी मिश्रा से भी बात में कहा कि डीपीसी को लेकर कई जानकारियां मांगी गई हैं। इन सभी जानकारियों के साथ गुरुवार को बैठक हो रही है। इसके बाद देर शाम तक डीपीसी को लेकर स्थिति साफ हो जाएगी कि इसे कब आयोजित कर सकेंगे। एमपी पुलिस विभाग को इस बात की भी चिंता है कि पदोन्नति का मामला हाईकोर्ट में चल रहा है। इस मामले में अगली सुनवाई 13 जुलाई को होनी है। अधिकारियों को आशंका है कि कहीं कोर्ट से कोई रोक न लग जाए और पदोन्नति प्रक्रिया प्रभावित न हो।

183 कार्यवाहक डीएसपी इंतजार में

मध्यप्रदेश पुलिस विभाग ने लंबे इंतजार के बाद 10 मार्च 2024 को आदेश जारी कर 103 इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारियों को कार्यवाहक डीएसपी का प्रभार दिया था। इसके बाद कुछ और आदेश जारी हुए और कुल 183 अधिकारी कार्यवाहक डीएसपी बन गए। अब ये सभी अधिकारी औपचारिक डीपीसी का इंतजार कर रहे हैं। डीपीसी पूरी होने के बाद इन्हें कार्यवाहक से नियमित डीएसपी पद पर पदोन्नति मिल सकेगी। इसके बाद ही आगे की पदोन्नति प्रक्रिया का रास्ता खुलेगा। इसी तरह सब इंस्पेक्टर से कार्यवाहक इंस्पेक्टर बने अधिकारी भी नियमित रूप से इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नति का इंतजार कर रहे हैं।

लोको पायलट के डेमू ट्रेन रोककर समोसे लाने का सच आया सामने, रेलवे ने की जांच

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में राऊ-रंगवासा के बीच में डेमू ट्रेन रोककर लोको पायलट द्वारा समोसे लेने के वीडियो का सच सामने आ गया है। रेलवे विभाग द्वारा की गई जांच के बाद इस वायरल वीडियो का खुलासा हुआ है।

7 जुलाई को इंदौर के राऊ-रंगवासा के बीच ट्रेन रुकने और लोको पायलट के समोसे लेने जाने का वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में दावा किया गया था कि भूख लगने के कारण लोको पायलट ने ट्रेन रोक दी। इस मामले ने काफी चर्चा बटोरी, जिसके बाद रेलवे ने जांच के आदेश दिए। अब जांच रिपोर्ट आने के बाद पूरे मामले की असली तस्वीर सामने आ गई है। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की गई है कि वायरल वीडियो में दिखाई गई ट्रेन कौन सी थी। ट्रेन से उतरने वाला व्यक्ति कौन था और वह क्यों उतरा था। इसके अलावा यह भी जांच की गई कि ट्रेन किस वजह से रुकी थी, क्या उसे समोसे या किसी खाद्य सामग्री खरीदने के लिए रोका गया था। क्या उस जगह पर ट्रेन को अक्सर रोका जाता है।

पीआरओ रेलवे मुकेश कुमार ने बताया कि जांच के बाद कई तथ्य सामने आए हैं। इसमें यह ट्रेन डेमू ट्रेन नहीं होकर मालगाड़ी है। वायरल वीडियो में डेमू ट्रेन का दावा गलत है।

लापरवाह खाद्य विभाग, 20 दिन के बाद भी नहीं आई रिपोर्ट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शिशुकुंज स्कूल में दूषित खाद्य सामग्री खाने से 100 से अधिक बच्चों के बीमार पड़ने के मामले में जांच प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है। घटना को करीब 20 दिन से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन स्कूल का मेस अभी भी सील है। वहीं खाद्य विभाग की जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

घटना के बाद खाद्य विभाग की टीम ने स्कूल पहुंचकर मेस का निरीक्षण किया था और खाद्य सामग्री के नमूने जांच के लिए भेजे थे। एहतियात के तौर पर मेस को तत्काल सील कर दिया गया था। उस समय अधिकारियों ने दावा किया था कि नमूनों की जांच रिपोर्ट तीन दिनों के भीतर प्राप्त हो जाएगी, लेकिन निर्धारित समय बीतने के बाद भी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है।

रिपोर्ट में देरी को लेकर अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन के बीच भी सवाल उठने लगे हैं। अभिभावकों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बच्चों के बीमार होने की वास्तविक वजह क्या थी और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। खाद्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नमूनों की प्रयोगशाला जांच प्रक्रिया जारी है। रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर, मेस सील होने के कारण स्कूल को विद्यार्थियों के भोजन प्रबंधन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ रही है। गौरतलब है कि भोजन करने के बाद 100 से अधिक बच्चों की तबीयत खराब हो गई थी। घटना के बाद परिजनों ने बच्चों का उपचार निजी अस्पतालों और क्लीनिकों पर अपने स्तर पर कराया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तत्काल जांच के आदेश दिए थे। अब सभी की नजरें जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे पूरे मामले की तस्वीर साफ हो सकेगी।

छत से गिरकर छात्रा की मौत, खेलते समय बिगड़ा संतुलन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● द्वारकापुरी थाना क्षेत्र के कुंदन नगर में एक हादसे में 12 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। मासूम अपने घर की छत पर खेल रही थी, तभी संतुलन बिगड़ने से दूसरी मंजिल से नीचे गिर पड़ी। गंभीर रूप से घायल छात्रा को अस्पताल ले जाया गया, यहां इलाज से पहले ही उसकी मौत हो गई। बालिका का नाम जान्हवी यादव (12) पिता मुकेश यादव निवासी कुंदन नगर है। वह 6वीं की छात्रा थी। बुधवार शाम करीब 5 बजे वह घर की छत पर खेल रही थी। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह दूसरी मंजिल की छत से नीचे गिर गई। हादसे के बाद परिजन तत्काल उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए एमवाय अस्पताल रेफर किया गया। हालांकि परिजन उसे निजी अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही जान्हवी ने दम तोड़ दिया। द्वारकापुरी पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस घटना के कारणों और परिस्थितियों की जांच कर रही है। नजदीकी लोगों ने बताया कि जान्हवी के भाई की कुछ समय पहले मौत हो चुकी है। जान्ही अपनी नानी के यहां रहती है। उसकी एक बहन है, जबकि पिता अलग रहते हैं और ऑटो चालक है।

प्लॉट बेचने के नाम पर 18 लाख की ठगी, रजिस्ट्री नहीं की

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर क्राइम ब्रांच ने प्लॉट बेचने के नाम पर 18.75 लाख रुपए की ठगी करने के आरोप में यूनाइटेड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि कंपनी के पदाधिकारियों ने महिला से रुपए लेने के बाद न तो प्लॉट की रजिस्ट्री की और न ही रकम लौटाई। पुलिस अब आरोपियों से जुड़े अन्य मामलों की भी जांच कर रही है।

क्राइम ब्रांच ने यशवंत निवास रोड निवासी वनिता डांगी की शिकायत पर यूनाइटेड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर त्रिलोकी प्रसाद गुप्ता, अनीता गहलोत और कंपनी से जुड़े एक अन्य आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। शिकायत के मुताबिक, अप्रैल 2024 में वनिता डांगी सुपर कॉरिडोर स्थित ऑर्चर्ड पार्क में प्लॉट देखने गई थीं। वहां उनकी मुलाकात त्रिलोकी प्रसाद गुप्ता और अनीता गहलोत से हुई। दोनों ने खुद को कंपनी का डायरेक्टर बताते हुए प्लॉट नंबर J-16 दिखाया, जिसका क्षेत्रफल करीब 1000 वर्गफीट बताया गया। आरोपियों ने प्लॉट का सौदा 25 लाख रुपए में तय किया। 10 अप्रैल 2024 को विक्रय पत्र तैयार किया गया। वनिता ने 50 हजार रुपए नकद और बाद में अलग-अलग माध्यमों से 18.75 लाख रुपए आरोपियों को दिए। शेष 6 लाख रुपए रजिस्ट्री के समय देने की बात तय हुई थी। वनिता का आरोप है कि भुगतान के बाद भी आरोपी लगातार रजिस्ट्री टालते रहे। जुलाई 2025 में उन्होंने कहा कि यदि जल्दी रजिस्ट्री करानी है तो दूसरा प्लॉट चुन लें, जबकि बाद में रकम लौटाने का भी आश्वासन दिया।

गीले गड्ढो में मरम्मत का किया था दावा, विजय नगर से खुली पोल

बारिश के चंद दिनों में उखड़ गया नई तकनीक से किया पेचवर्क, फिर छलनी हुई इंदौर की राहें

- अब पूरे मानसून में शहर की सड़कों पर बढ़ेगा खतरा
- सामान्य पेचवर्क भी सड़कों से उखड़ा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मानसून की पहली तेज बारिश ने नगर निगम की बहुप्रचारित नई सड़क मरम्मत तकनीक की असली तस्वीर सामने ला दी है। बारिश के बीच गड्ढे भरने का दावा करने वाली तकनीक महज चार दिन भी नहीं टिक सकी। जिन सड़कों पर नई विधि से पेचवर्क किया गया था, वहां डामर फिर उखड़ गया और गड्ढे दोबारा सड़क पर लौट आए।

नगर निगम ने हाल ही में दावा किया था कि वॉटर-बेस्ड कोल्ड मिक्स तकनीक से पानी भरे गड्ढों में भी बिना सड़क सुखाए मरम्मत की जा सकती है। अधिकारियों का कहना था कि यह तकनीक हर मौसम में प्रभावी रहेगी और भारी ट्रैफिक भी इसे नुकसान नहीं पहुंचा सकेगा। लेकिन लगातार हुई बारिश ने इन तमाम दावों पर सवालिया निशान लगा दिया है। सबसे पहले विजय नगर क्षेत्र में इस तकनीक का इस्तेमाल किया गया था, लेकिन यहीं इसकी सबसे पहले पोल भी खुल गई। दो दिन की बारिश के बाद ही मरम्मत वाली जगहों पर डामर उखड़ने लगा और सड़कें फिर गड्ढों में बदल गई। उधर शहर में आठ से ज्यादा स्थानों पर चल रहे ब्रिज निर्माण ने भी लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। निर्माण स्थलों की सर्विस रोड पहले से ही खराब हैं। बारिश और जलभराव के कारण ये सड़कें तेजी से टूट रही हैं, जिससे रोजाना हजारों वाहन चालकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि पिछले साल भी गड्?ढों को लेकर नगर निगम की काफी आलोचना हुई थी। इस बार बारिश के दौरान ही मरम्मत कर समाधान का दावा किया गया था, लेकिन शुरुआती मानसून ने ही उस दावे की उम्र महज चार दिन साबित कर दी। हाईकोर्ट की समिति भी पहले चेतावनी दे चुकी है कि सड़कों पर गड्ढे दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बन रहे हैं। ऐसे में अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब नई तकनीक पहली बारिश की परीक्षा में ही फेल हो गई, तो पूरे मानसून में शहर की सड़कें सुरक्षित कैसे रहेंगी?

करोड़ों रुपए फूंके

वहीं वर्षा ऋतु के पूर्व शहर की सड़कों पर करोड़ों की लागत से पेचवर्क किया गया था। बारिश के पहले हल्ले में ही यह पेचवर्क भी अधिकांश जगहों से उखड़ गया है और गड्ढे उभर आए हैं। निगम ने शहर की सड़कों का पेचवर्क शुरू किया था कि इसी बीच अमेरिका-इरान युद्ध शुरू हो गया था। इसके चलते डामर सहित अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की कमी और भाव बढ़ने के कारण ठेकेदारों ने काम रोक दिया था। इस कारण कई सड़कों की मरम्मत बारिश के मौसम के ठीक पूर्व की गई थी, लेकिन यह पहली बारिश में टीक नहीं पाई। गत वर्ष नगर निगम को सड़कों के गड्ढों के कारण खासी शर्मिंदगी झेलना पड़ी थी, लेकिन इससे सबक नहीं लिया। निगम का अमला और अधिकारी गर्मियों में जल संकट से जूझते रहे। अब बारिश में सड़कों के गड्ढों और गंदे पानी की समस्या ने परेशान करना शुरू कर दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।